CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-186
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

दुर्गा नवमी और विजय दशमी की हार्दिक शुभकामनाएं
विजय दशमी के अवसर पर कार्यालय में अवकाश रहेगा अगला अंक रविवार को प्रकाशित होगा

मां सिद्धिदात्री

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 11 अक्टूबर 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

बेटी बचाओ अभियान

जीतू पटवारी बोले- कांग्रेस को चाहिए भाजपा का समर्थन!

इंदौर/भोपाल। कांग्रेस और भाजपा की तकरार तो दुनियाभर में मशहूर है। लेकिन कई ऐसे मौके आते हैं जब बड़े और अच्छे काम के लिए अपने दुश्मन को भी साथ लेना पड़ता है। मध्यप्रदेश में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला है। मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने गुरुवार को कहा कि प्रदेश में मासूम बच्चियां, महिलाएं और नाबालिग बच्चे अपराधियों के निशाने पर हैं, इसलिए कांग्रेस प्रदेश में बेटी बचाओ अभियान चला रही है और भाजपा के विधायकों और वरिष्ठ नेताओं को भी कांग्रेस के इस अभियान का समर्थन करना चाहिए। पटवारी ने बयान जारी करते हुए कहा कि नाबालिग बच्चों तक नशे की पहुंच प्रदेश के भविष्य को अंधकार की ओर ले जा रही है। प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है और भाजपा के विधायक खुद पुलिस से अपनी जान

बचाने की गुहार लगा रहे हैं। अपनी बात के समर्थन में उन्होंने भाजपा के कुछ विधायकों की पिछले दिनों वायरल हुई सोशल मीडिया पोस्ट का भी संदर्भ दिया। उन्होंने मऊगंज के भाजपा विधायक प्रदीप पटेल के वायरल वीडियो के संदर्भ में कहा कि प्रदेश में अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि सत्ताधारी दल भाजपा के विधायकों को धमकी दी जा रही है। एक विधायक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के कक्ष में पहुंच कर दंडवत होकर अपने जिले में आपराधिक गतिविधियों और नशे के बढ़ते प्रभाव को रोकने की अपील कर रहा है कि इससे प्रदेश की स्थिति समझी जा सकती है। पटवारी ने भाजपा विधायक अजय विश्नोई की पटेल के समर्थन वाली एक्स पोस्ट के बारे में कहा कि विश्नोई कह रहे हैं कि पूरी सरकार शराब व्यापारियों से मिली हुई है, यह इस बात का सबूत है कि नाबालिग बच्चे प्रदेश में नशे की चपेट में हैं। पटवारी ने कहा कि भाजपा के वरिष्ठ विधायक गोपाल भार्गव ने सोशल मीडिया पर पूछा है कि क्या वर्तमान परिवेश में हम रावण दहन के अधिकारी हैं। उन्होंने भार्गव की इस पोस्ट का समर्थन करते हुए कहा कि बेटी बचाओ अभियान दलगत राजनीति से ऊपर एक सामाजिक अभियान है, जिसमें सभी को शामिल होना चाहिए। प्रदेश के व्यापक हित में भाजपा को भी बेटी बचाओ अभियान का समर्थन करना चाहिए।

इस्लामी कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर पर केंद्र सरकार ने लगाया बैन

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 1953 में यरुशलम में गठित वैश्विक इस्लामी कट्टरपंथी समूह हिज्ब-उत-तहरीर (एचयूटी) को प्रतिबंधित संगठन घोषित किया है। इसके साथ ही सरकार ने कहा है कि इस इस्लामी कट्टरपंथी समूह का उद्देश्य इस्लामिक राज्य की स्थापना करना है। एक अधिसूचना में, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी भोले-भाले युवाओं को आईएसआईएस जैसे आतंकवादी संगठनों में शामिल होने के लिए कट्टरपंथी बनाने और प्रेरित करने के साथ-साथ आतंकवादी गतिविधियों के लिए धन जुटाने में शामिल है। एचयूटी कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, सुरक्षित ऐप का उपयोग करके और भोले-भाले युवाओं को आतंकवादी कृत्यों में शामिल होने के लिए

प्रोत्साहित करने के लिए 'दावाह' बैठकें आयोजित करके आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है।

इस्लामिक राज्य स्थापित करने का है मकसद गृह मंत्रालय ने कहा कि एचयूटी एक ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य देश के नागरिकों को शामिल करके जिहाद और आतंकवादी गतिविधियों के माध्यम से लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकारों को उखाड़ फेंककर भारत सहित विश्व स्तर पर इस्लामिक राज्य और खिलाफत स्थापित करना है, जो देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और आंतरिक सुरक्षा के लिए एक गंभीर खतरा है। अधिसूचना में कहा गया है, चूंकि, केंद्र सरकार का मानना है कि हिज्ब-उत-तहरीर आतंकवाद में शामिल है और उसने भारत में कई आतंकवादी कृत्यों में भाग लिया है। अधिसूचना में इस समूह को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत प्रतिबंधित संगठन घोषित किया गया है।

हिज्ब-उत-तहरीर की विचारधारा इस संगठन की विचारधारा इस्लामिक कट्टरता पर आधारित है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को अस्वीकार करता है और एक एकीकृत इस्लामिक राज्य की स्थापना पर जोर देता है। संगठन का दावा है कि वह गैर-हिंसात्मक तरीके से काम करता है, लेकिन इसके समर्थक कई बार सरकार विरोधी और अशांत गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं।

हरियाणा की हार पर राहुल बोले-नेताओं का इंटरेस्ट ऊपर रहा, पार्टी का नीचे

नई दिल्ली। हरियाणा चुनाव में मिली हार पर कांग्रेस की समीक्षा मीटिंग गुरुवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई। इसमें राहुल गांधी ने कहा कि हरियाणा में नेताओं का इंटरेस्ट ऊपर रहा, इस कारण से पार्टी का इंटरेस्ट नीचे चला गया। बैठक में तय किया गया कि हार के कारणों को जानने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी बनाई जा रही है, जो हरियाणा में जाकर नेताओं से चर्चा करके रिपोर्ट हाईकमान को सौपेंगी। कमेटी में कौन-कौन चेहरे शामिल किए जाएंगे, अभी उनके नामों पर चर्चा नहीं हो पाई है। करीब आधे घंटे चली मीटिंग के बाद कांग्रेस नेता अजय माकन ने हुड्डा-सैलजा के मतभेदों पर कहा कि हार के बहुत सारे कारण हैं, जो चुनाव आयोग से लेकर नेताओं के मतभेद तक हैं। इन्हीं सब कारणों पर चर्चा हुई और आगे भी चर्चा करेंगे। इतना बड़ा उलटफेर, एग्जिट पोल जो कह रहे थे, बड़े से बड़ा सर्वे जो कह रहे थे, सभी के सभी एक साथ गलत साबित कैसे हो सकते हैं। आधे घंटे की मीटिंग में इस मामले में किसी निष्कर्ष तक नहीं पहुंचा जा सकता है। आज की मीटिंग में हमने आगे की रणनीति पर चर्चा की है। आगे जो भी होगा, उसकी जानकारी केसी वेणुगोपाल देंगे। इस मीटिंग में हरियाणा के पूर्व सीएम भूपेंद्र हुड्डा और प्रदेश अध्यक्ष उदयभान को भी बुलाया गया था, लेकिन वे नहीं आए।

दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग को मिला साहित्य का नोबेल पुरस्कार

स्टॉकहोम। साहित्य के क्षेत्र में 2024 के नोबेल पुरस्कार का ऐलान कर दिया गया है। रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज के मुताबिक, इस साल यह सम्मान दक्षिण कोरियाई लेखिका हान कांग को दिया गया। उन्हें उनके गहन काव्यात्मक गद्य के लिए इस सम्मान से नवाजा गया। यह गद्य ऐतिहासिक आघातों और मानव जीवन की नाजुकता को उजागर करता है। उन्हें जीवन की मार्मिक कहानियों को खूबसूरत अंदाज में पेश करने के लिए सम्मान मिला है। हान कांग ने 1993 में अपने करियर की शुरूआत कविताएं लिखने के साथ की थी। 1995 में उन्होंने कहानियां लिखना शुरू कर दिया था। हान कांग नोबेल प्राइज जीतने वाली 18वीं और पहली कोरियाई महिला हैं। इससे पहले उन्होंने 2016 में उपन्यास 'द वेजिटेरियन' के लिए मैन बुकर इंटरनेशनल प्राइज भी जीता था। इस उपन्यास ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई थी। नोबेल कमेटी ने हान कांग की एक नॉवेल 'ग्रीक लेसन' की खासतौर पर चर्चा की है। यह एक लड़की की कहानी है जो अपने जीवन के कष्टों की वजह से आवाज खो चुकी होती है। उसकी मुलाकात एक ग्रीक पढ़ाने वाले टीचर से होती है जो अपनी आंखों की रोशनी खो रहा है। यह नॉवेल दो इंसानों के बीच बातचीत की बाधाएं होने के बावजूद पनपे रिश्ते को खूबसूरती से बयां करता है।

मास्टरमाइंड के राज सुनकर पुलिस भी हैरान

बगरौदा के पहले पीथमपुर में डाली जानी थी ड्रग्स बनाने की फैक्टरी

भोपाल। राजधानी भोपाल के औद्योगिक क्षेत्र बगरौदा से ड्रग्स का काला कारोबार संचालित करने वाले मास्टरमाइंड हरीश आंजना और सान्याल बाने के मुंह से कई राज सुनकर पुलिस भी हैरान हैं। हरीश आंजना और सान्याल बाने ने भोपाल के पहले पीथमपुर

की फैक्टरी में ड्रग्स बनाने की तैयारी की थी। उन्होंने वहां फैक्टरी तलाश भी ली थी और ड्रग्स बनाने का कच्चा माल भी मंगवा लिया था, परंतु वे रसायन के जानकार नहीं थे, जिसके चलते ड्रग्स बनाने में नाकाम हो गए। इसके बाद उन्होंने रसायन के विशेषज्ञ भोपाल निवासी अमित चतुर्वेदी को अपने गिरोह में शामिल किया और भोपाल को ड्रग्स बनाने के लिए चुना था। अमित ने पीथमपुर से सुरक्षित भोपाल को बताया था, जिसके बाद भोपाल के पास ड्रग्स बनाने की फैक्टरी खोली गई। गौरतलब है कि एनसीबी व गुजरात एटीएस ने ड्रग्स फैक्टरी में छापेमारी करते हुए 1814 करोड़ रुपये कीमत की खतरनाक एमडी ड्रग्स जब्त की थी। साथ ही तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही भोपाल पुलिस ने गोदाम पर कार्रवाई करते हुए 300 करोड़ रुपये से अधिक की ड्रग्स का माल पकड़ा है। एनसीबी और पुलिस से पूछताछ में आरोपियों ने ड्रग तस्करी को लेकर कई खुलासे किए हैं। वे 15 अक्टूबर तक रिमांड पर रहेंगे।

काम के हिसाब से होता था पैसों का बंटवारा पुलिस के अनुसार मंदसौर का रहने वाला हरीश आंजना ड्रग्स के काले कारोबार का मास्टरमाइंड है। उसका पिता भी अफीम तस्करी से जुड़ा था और कई बार जेल गया था। हरीश जेल में कुख्यात मादक पदार्थ तस्कर शोएब लाला के संपर्क में आया था। उसके माध्यम से हरीश नासिक के सान्याल बाने से मिला। दोनों ने मिलकर पीथमपुर में ड्रग्स बनाने की योजना बनाई थी। बाद में उन्होंने अमित चतुर्वेदी को भी शामिल किया। अमित एमएससी है और रसायन का जानकार है। तीनों के अलग-अलग काम थे और उस काम के अनुसार ही लाभांश का वितरण होता था। इसमें सबसे अहम हरीश का काम था, क्योंकि वह माल को खपाता था। जबकि अमित व सान्याल ड्रग्स तैयार करते थे और कच्चे माल का प्रबंध करते थे।

मंदसौर के रास्ते महाराष्ट्र और गुजरात में ड्रग्स सप्लाई पूछताछ में आरोपियों ने ड्रग्स की दो खेप सप्लाई करना कबूल किया है। उन्होंने बताया कि वे मंदसौर के रास्ते महाराष्ट्र और गुजरात में ड्रग्स सप्लाई करते थे। उन्होंने बताया कि पहली खेप इसी वर्ष मार्च में भेजी गई थी, जिसे कूलर में रखकर सप्लाई किया गया था। उसके कुछ दिनों बाद डबल डेकर वाहन में ड्रग्स को ऊपर रखकर तस्करी की गई। तीसरी खेप तैयार थी और उसे जल्द ही खपाया जाना था।

दुर्ग-विशाखापतनम वंदे भारत को नहीं मिल रहे यात्री

नुकसान से बचने रेलवे ले सकता है बड़ा फैसला

रायपुर। 20 सितंबर से शुरू हुई दुर्ग-विशाखापतनम नई वंदे भारत में लगातार यात्रियों का टोटा बना हुआ है। इससे रेलवे को बड़ा झटका लग रहा है। नुकसान से बचने के लिए रेलवे कभी भी बड़ा फैसला ले सकती है। दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत ट्रेन के लिए रेलवे के सामने बड़ी चुनौती है। एक तरफ जहां मुख्य रूट की ट्रेनों में कंफर्म टिकट के लिए मारामारी मची हुई है, वहीं समता एक्सप्रेस में लंबी वेटिंग के हालात है।

समता एक्सप्रेस के रायपुर स्टेशन आने पर स्लीपर से लेकर एसी कोच में यात्रियों की भीड़ हमेशा देखी जा रही है। वहीं 16 कोच की वंदे भारत ट्रेन में आधे से भी अधिक सीटें खाली जा रही है। यह स्थिति वापसी में भी बनी हुई है।1128 सीटों वाली दुर्ग-विशाखापट्टनम वंदे भारत ट्रेन में रोजाना औसतन 150 से 170 यात्री ही सफर कर रहे है।

किराया अधिक इसलिए यात्री कम दुर्ग-विशाखापतनम वंदे भारत ट्रेन के चलने को लेकर यात्रियों में कोई खास उत्साह फिलहाल नहीं दिख रहा। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह महंगा किराया होना बताया जा रहा है। यहीं कारण है कि दोनों तरफ से वंदे भारत आधी खाली सीटों के साथ दौड़ रही।

रेलवे सूत्रों के अनुसार दशहरा-दिवाली पर्व तक यह देखा जा रहा कि वंदे भारत ट्रेन को कितने यात्री मिल सकते हैं। अगर आगे भी इसी तरह से सीटे खाली रही तो बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत ट्रेन की तरह इसके कोच भी कम करके चलाया जाएगा।

यह है दुर्ग-विशाखापतनम वंदे भारत का किराया एग्ज़ीक्यूटिव क्लास में ब्रेकफास्ट, चाय और लंच के साथ किराया 2,825 रुपये।
एग्ज़ीक्यूटिव क्लास में बिना नाश्ते के किराया 2,410 रुपये
चेयर कार में ब्रेकफास्ट, चाय, और लंच के साथ किराया 1,565 रुपये।
चेयर कार में बिना नाश्ते और पानी के किराया 1,205 रुपये।
समता एक्सप्रेस का यह किराया
दुर्ग से विशाखापट्टनम जाने वाली समता एक्सप्रेस के फर्स्ट एसी का किराया 2100 रुपये, सेकेंड एसी का किराया 1265 रुपये, और थर्ड एसी का किराया 905 रुपये है। किराया ज्यादा होने की वजह से कम ही यात्री वंदे भारत में सफर करने आ रहे हैं। ऐसे में खाली ट्रेन से रेलवे को नुकसान हो रहा है। अब रेलवे इसको लेकर जल्द ही बड़ा फैसला ले सकता है। जहां त्योहारों में ट्रेन में जमकर भीड़ उमड़ रही है, वहीं यहां वंदे भारत ट्रेन की सीटें खाली हैं।

आवश्यकता

प्रदेशो, जिला एवं तहसील स्तर पर एक कंपनी के लिए मार्केटिंग हेतु युवक / युवतियों की योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट

वेतन 15 हज़ार - 20 हज़ार होगा आगे योग्यता अनुसार

Contact WhatsApp Only, Text Message : 9755996590

सिंगल कॉलम

दुर्घटना के 12 साल पुराने मामले में पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे पर चलेगा केस

इंदौर। बारह साल पहले इंदौर के धार रोड पर गड्ढे से हुई दुर्घटना में घायल हुए जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार वर्मा के मामले में कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने तत्कालीन मेयर कृष्णमुरारी मोघे और निगम कमिश्नर योगेंद्र शर्मा के खिलाफ केस दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। दुर्घटना 22 अप्रैल 2012 को रात 8ः30 बजे कृष्णबाग के सामने हुई थी। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार बाइक से सफर कर रहे थे, तभी सड़क पर गड्ढे में गिरने से वह घायल हो गए थे। हादसे में उनके हाथ में चोट आई और उंगली की हड्डी टूट गई थी। इलाज के लिए उन्हें 15 दिन अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा था। सुरेंद्र कुमार ने घटना के बाद तत्कालीन मेयर कृष्ण मुरारी मोघे और निगम कमिश्नर योगेंद्र शर्मा के खिलाफ पुलिस और निगम में शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने इंदौर हाई कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें गड्ढे और सड़क पर बिखरे मटेरियल का जिक्र किया। उन्होंने याचिका में बताया कि रास्ते पर खराब रोड होने संबंधी कोई संकेतक और प्रकाश व्यवस्था भी नहीं थी। इस पर हाई कोर्ट ने मामले को निचली अदालत में फौजदारी प्रकरण पेश करने के निर्देश दिए थे। न्यायिक मजिस्ट्रेट कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए पूर्व मेयर कृष्णमुरारी मोघे और निगम कमिश्नर योगेंद्र शर्मा के खिलाफ धारा 283 और 338 के तहत केस दर्ज करने के निर्देश दिए। मजिस्ट्रेट कोर्ट ने सड़क खराब होने से दुर्घटना में घायल होने की घटना को दंडनीय अपराध की श्रेणी में मानते हुए यह निर्देश दिए।

पीएम श्री वायु पर्यटन सेवा को नहीं मिल रहे यात्री, डिस्काउंट 50 प्रतिशत किया

इंदौर। पीएम-श्री वायु पर्यटन सेवा के तहत इंदौर से उज्जैन के बीच उड़ान सेवा एक बार फिर शुरू हो गई है। लगभग दो महीने पहले इसे अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। लेकिन तमाम कोशिशों के बाद भी प्रदेश के शहरों को आपस में हवाई मार्ग से जोड़ने के लिए जून में शुरू की गई पीएम श्री वायु पर्यटन सेवा को यात्री नहीं मिल रहे है। 6 सीटर विमान में इक्का-दुक्का यात्री ही सफर कर रहे है। वहीं कंपनी ने अपना डिस्काउंट बढ़ा कर फिर से 50 प्रतिशत कर दिया है। एयरपोर्ट से मिली जानकारी के अनुसार कंपनी इंदौर से जबलपुर और भोपाल के लिए सीधी उड़ान संचालित कर रही है। लेकिन यात्री नहीं मिल रहे हैं। बुधवार को उड़ानों का संचालन हुआ, लेकिन जबलपुर से इंदौर आने वाली उड़ान खाली रही। वहीं भोपाल से इंदौर आने वाली उड़ान को केवल दो यात्री मिले, जबकि इंदौर से भोपाल जाने वाली उड़ान में भी केवल दो ही यात्री सवार हुए थे। सूत्रों का कहना है कि कंपनी लगातार प्रमोशनल डिस्काउंट दे रही है, लेकिन फिर भी यात्री नहीं मिल रहे हैं। जानकारी के अनुसार कंपनी ने जून में शुरूआत के बाद 13 जुलाई से उज्जैन की उड़ान का संचालन बंद कर दिया था। कंपनी का कहना था कि सेवा को अस्थाई रूप से बंद किया गया है। इसका कारण उज्जैन हवाई पट्टी पर आवारा पशु, हिरण और नीलगाय आना है। इन्हें रोकने के लिए तार फेंसिंग को ऊंचा किया जाएगा और फिर उड़ानों का संचालन शुरू होगा। अब संचालन शुरू हो गया है। कंपनी ने यात्रियों की कमी को देखते हुए इंदौर के खाते से भी उड़ानों को कम किया है। पहले खजुराहो के लिए भी सीधी उड़ान शुरू की गई थी।

गाड़ी का लोन चुकाने के लिए बन गया चोर

इंदौर। इंदौर के मध्य में स्थित सराफा बाजार सोना चांदी के जेवरात को लेकर हमेशा से सुर्खियों में बना रहता है लेकिन यहां पर आए दिन चोरी की वारदातें भी बढ़ती हुई नजर आ रही है और इसी के तहत चोरी के मामले में पुलिस द्वारा खुलासा करते हुए दौलतगंज के रहने वाले युवक को गिरफ्तार किया गया है।पूरे मामले में जानकारी देते हुए एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया द्वारा बताया गया कि सराफा थाना क्षेत्र में चोरी की वारदात हुई थी जिसमें आरोपी फ्लैट का ताला तोड़ने के बाद सोने चांदी के जेवरात और नगदी चुरा कर कर ले गया था। आसपास लगे हुए सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस द्वारा जांच पड़ताल कर दौलतगंज के रहने वाले बुरहनुद्दिन नामक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि उसने पहले एक व्यापार शुरू किया था। उसके बाद उसने वाहन भी खरीदा था। इसके बाद उसपर कर्ज हो गया था और इस कर्ज को चुकाने के लिए उसने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस पकड़े गए युवक से तमाम पहलुओं पर पूछताछ में जुटी हुई है।

100 फिट से ऊंचे रावण, उड़ते और बोलते हुए, लंका भी बनी भव्य

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। रावण दहन के कार्यक्रम के लिए इंदौर में तैयारियां लगभग पूरी हो गई हैं। कहीं पर रावण पुष्पक विमान में सवार है तो कहीं पर वह पूरी लंका के साथ दिखेगा। सभी जगह आतिशबाजी की शानदार तैयारियां की गई हैं। शोभा यात्राएं निकलेंगी, आर्टिस्ट प्रस्तुति देंगे और कई दिग्गज राजनेता भी इन आयोजनों में शिरकत करेंगे। छावनी उषागंज, छावनी दो नंबर स्कूल, दशहरा मैदान, रामबाग के अलावा चिमनबाग, तिलक नगर और विजय नगर के रावण दहन कार्यक्रम भी बेहद खास होते हैं। यहां पर भी हजारों की संख्या में लोग रावण दहन कार्यक्रम देखने के लिए दूर दूर से आते हैं। हालांकि बुधवार और गुरुवार की बारिश की वजह से कई जगह रावण भीग गए हैं। इससे रावण दहन की तैयारियों पर थोड़ा असर पड़ा है। शुक्रवार को भी बारिश के आसार जताए गए हैं। ऐसे में आयोजक चिंता में हैं और रावण के पुतलों को बारिश से बचाने के प्रयासों में लग गए हैं।

छावनी उषागंज में पुष्पक रथ पर सवार है दशानन

छावनी उषागंज हाईस्कूल मैदान पर पिछले 39 साल से रावण दहन का कार्यक्रम हो रहा है। इस बार रावण को पुष्पक रथ पर सवार दिखाया गया है। एकता सेवा समिति के लव मीणा ने बताया कि 8 से 9 हजार लोग यहां पर

रावण दहन का कार्यक्रम देखने के लिए आते हैं। इस बार 51 फिट का रावण बनाया गया है। समिति हमेशा रावण दहन में कुछ नया करने का प्रयास करती है। इससे पहले रावण दहन में सीता हरण, इंद्रजाल चलाने वाला रावण, शाही स्नान करने वाला रावण बनाया गया। इस बार पुष्पक रथ पर सवार रावण बनाया गया है। जिस रथ पर रावण ने सीता हरण किया था। कार्यक्रम में विधायक गोलू शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम शाम 7 बजे शुरू होगा।

छावनी दो नंबर स्कूल में 111 फीट का रावण

छावनी दो नंबर स्कूल पर रावण दहन का 32 वां वर्ष है। बोयत श्री मित्र मंडल के चौधरी दीनू बोयत कप्तान ने बताया कि यहां पर इस बार कंकालरूपी रावण बनाया जा रहा है। इस बार रावण की ऊंचाई 111 फीट रखी गई है। मेघनाथ और कुंभकरण भी बनाए जा रहे हैं। 80 फीट की लंका भी बनाई जाएगी। महेश्वर, मंडलेश्वर से 15 कलाकारों को बुलाया गया है सभी एक महीने से यहां पर काम कर रहे हैं। मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक गोलू शुक्ला मुख्य अतिथि होंगे। 30 हजार लोग यहां पर आएंगे। यहां भजन गायक, फिल्मी कलाकारों के डुप्लीकेंट भी आएंगे। एक घंटे तक आतिशबाजी होगी। दो हजार महिलाओं की कुर्सियों की व्यवस्था की गई है।

दशहरा मैदान पर 250 फिट की लंका

दशहरा मैदान पर इंदौर का सबसे प्राचीन रावण दहन कार्यक्रम बताया जाता है। 50 साल से यहां पर रावण दहन का कार्यक्रम हो रहा है। दशहरा मैदान महोत्सव समिति से पहले यहां पर होलकरों के द्वारा रावण दहन कार्यक्रम होता था फिर इंटक ने यह कार्यक्रम किया, अब समिति इस काम को संभाल रही है। समिति के अध्यक्ष पिंटू जोशी, सदस्य नीलेश पटेल और सत्यनारायण झलवाड़िया ने बताया कि इस बार 111 फिट का रावण बनाया गया है। 250 फिट की लंका तैयार की जा रही है। इस साल आयोजन के लिए महू नाके से शोभा यात्रा निकलेगी। कार्यक्रम में एक लाख लोग शामिल होंगे। यहां पर होलकर वंश के लोग पूजा करते हैं और इसमें कलेक्टर, अन्य वरिष्ठ अधिकारी और प्रमुख नेता शामिल होते हैं। इस बार पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

रामबाग में आटोमैटिक गन से रावण का दहन होगा

रामबाग पर 85 फिट का रावण बनाया गया है। 32 साल से यहां पर रावण दहन का आयोजन हो रहा है। रामबाग दशहरा उत्सव समिति के अध्यक्ष सचिन गौड़ ने बताया कि 10 हजार लोग यहां पर रावण दहन देखने के लिए आते हैं। विधायक गोलू शुक्ला और पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय मुख्य अतिथि होंगे। यहां पर रावण के नौ सिर बनाए गए हैं और 10वां सिर गधे के रूप में बनाया गया है। यहां पर आटोमैटिक गन से रावण का दहन होगा और रावण अपनी आंखें भी घुमा सकेगा।

दिन में तेज धूप के बाद शाम को हुई तेज झमाझम, कई जगह भीगे रावण

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर में अक्टूबर के दूसरे हफ्ते में मौसम ने अचानक करवट ली और लगातार दूसरे दिन बारिश हुई। गुरुवार की सुबह से मौसम पूरी तरह साफ था और तेज धूप खिली हुई थी। दिनभर धूप के बाद, शाम करीब 4.30 बजे अचानक घने बादल छा गए और तेज गड़गड़ाहट के साथ ठंडी हवा चलने लगी। इसके कुछ ही देर बाद बारिश शुरू हो गई, जिससे मौसम में ठंडक का एहसास हुआ। इस बारिश से शहर में कई जगह दशहरे के लिए बनाए गए रावण के पुतले भी भीग गए, जिससे कुछ स्थानों पर उनकी तैयारियों पर असर पड़ा है। इस साल अक्टूबर का पहला हफ्ता बीतते ही इंदौर के मौसम में बदलाव आने लगा है। शहर के विभिन्न हिस्सों में मौसम का मिजाज एक जैसा नहीं है। कहीं रिमझिम बारिश हो रही है तो कहीं पूरी तरह से सूखा है। यह असमानता हवा के दिशाओं में बदलाव के कारण हो रही है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. वेद प्रकाश सिंह के अनुसार, इस समय शहर में विभिन्न दिशाओं से हवा आ रही है, जिसका असर मौसम पर पड़ रहा है। इसके अलावा, वातावरण में अब भी पर्याप्त नमी मौजूद है, जो बारिश की स्थिति को बनाए रखे हुए है।

बारिश की संभावना आज भी

मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार को भी तापमान में खास बदलाव नहीं आने की उम्मीद थी, और तापमान लगभग बुधवार जैसा ही बना रहा। बारिश की संभावना अब भी बनी हुई है। मंगलवार को इंदौर में दिन का अधिकतम तापमान 33.1 डिग्री सेल्सियस और रात का न्यूनतम तापमान 23.2 डिग्री सेल्सियस था। यह तापमान सामान्य से 4 डिग्री अधिक था। बुधवार को तापमान में मामूली गिरावट आई और दिन का तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस और रात का तापमान 22.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इस दौरान कुछ हिस्सों में हल्की बारिश भी हुई, जिसकी माप 0.7 मिमी दर्ज की गई।

श्रीलंका और करीबी क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन

मध्य प्रदेश के 34 जिलों में मानसून की विदाई हो चुकी है लेकिन अभी पूरे प्रदेश में विदा होने में दो-तीन दिन का समय और लग सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक गुरुवार को दो सिस्टम की एक्टिविटी से कई जिलों में बारिश गरज-चमक वाला मौसम रहा। आगे एक दो दिन तक ऐसा ही मौसम बना रहेगा। मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद भी कई जिलों में अभी भी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार, ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि श्रीलंका और इसके करीबी क्षेत्र में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम एक्टिव है। दूसरा सिस्टम लक्ष्यद्वीप के आसपास है। इस वजह से एमपी के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों के जिलों में मौसम फिर से बदल गया है।

इस वर्ष मंडला में सबसे ज्यादा बारिश

प्रदेश में इस साल 44.1 इंच बारिश हुई है। बारिश के मामले में जबलपुर संभाग सबसे आगे है। मंडला जिले में सबसे ज्यादा बारिश हुई। यहां 60.6 इंच से ज्यादा पानी गिर गया। सिवनी में 56.8 इंच पानी गिरा। श्योपुर, निवाड़ी और राजगढ़ में 52 इंच से अधिक बारिश हुई है। सबसे ज्यादा बारिश वाले टॉप-10 जिलों में भोपाल, सागर, अलीराजपुर, डिंडौरी और छिंदवाड़ा जिले शामिल हैं।

20 अक्टूबर के बाद ठंड के आसार

मध्यप्रदेश में मानसून की विदाई के बाद अब ठंड शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार, 20 अक्टूबर तक प्रदेश में ठंडक बढ़ने का अनुमान है। रात में पारा 20 डिग्री के नीचे पहुंच सकता है। हालांकि, दिन में तापमान 33-34 डिग्री के बीच ही रहेगा। अक्टूबर के आखिरी में दिन के तापमान में भी गिरावट होने लगेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, दशहरे से पहले मानसून लौट जाएगा। ऐसे में अबकी बार दशहरे पर बारिश नहीं होगी। बता दें कि पिछले 2 साल से नवरात्रि और दशहरे पर बारिश हो रही है।

खाद्य विभाग ने कलर वाली 750 किलो सौंफ की जब्त

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। त्योहारों के मद्देनजर इंदौर में आम जनता को सुरक्षित और गुणवत्तायुक्त खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के लिए जिला प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की तीन टीमें गठित की गई हैं, जो शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित जांच कर रही हैं। इस अभियान का उद्देश्य दूध, मिठाई, नमकीन, मावा, मसाले और तेल जैसे खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करना है ताकि अवमानक और असुरक्षित खाद्य पदार्थ बाजार में न बेचे जा सकें। गुरुवार को खाद्य सुरक्षा टीम ने नेहरू नगर क्षेत्र में कार्रवाई की। टीम ने भैरवनाथ गुजराती कड़ी फाफड़ा और चारभुजा स्वीट्स से मावा कतली, मावा पेड़ा और मलाई बर्फी के नमूने लिए। ये नमूने जांच के लिए भेजे गए हैं। वहीं, दूसरी टीम ने सियागंज में महालक्ष्मी ट्रेडर्स का औचक निरीक्षण किया। विभाग को सूचना मिली थी कि उंझा, गुजरात से कलर वाली सौंफ इंदौर में बेची जा रही है। टीम ने जांच के दौरान 750 किलो सौंफ जब्त की, जिसकी कीमत करीब 97,500 रुपये है। नमूने की जांच के लिए इसे भी लैब भेजा गया।

टीम ने नेहरू नगर में 10 दुकानों पर बिक रहे मिठाई और नमकीन की मोबाइल फूड टेस्टिंग लैब से मौके पर ही जांच की। जिन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता निर्धारित मानकों के अनुसार नहीं पाई गई, उनके नमूने विस्तृत जांच के लिए भेजे गए।

इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठान संचालकों को मिठाई, नमकीन आदि निर्माण में प्रयुक्त होने वाले रॉ मटेरियल एवं तैयार खाद्य पदार्थ की जांच के तरीके भी बताए गए, ताकि वे स्वयं जांच कर खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित कर सकें। निरीक्षण के दौरान दुकानों के संचालकों को स्वच्छता बनाए रखने, कर्मचारियों का नियमित मेडिकल चेकअप करवाने और खाद्य पदार्थों के उचित रखरखाव के निर्देश दिए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए भोपाल की राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया है। जांच रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

अवैध कॉलोनी में स्थाई विद्युत कनेक्शन दिए जाएंगे

इंदौर। मप्र ऊर्जा विभाग ने राज्य की घोषित एवं अघोषित अवैध कॉलोनियों में रहने वालों के लिए स्थाई विद्युत कनेक्शन देने की योजना तैयार कर लागू की है। इसके लिए जरूरी अधोसंरचना निर्माण की लागत के भुगतान में उपभोक्ताओं को राहत दी गई है। राहत देने के लिए सुगम विद्युत (सुविधा) योजना-2024 प्रभावशील हो गई है। प्रदेश की इन कॉलोनियों के रहवासियों की समस्याओं के समाधान के सुगम विद्युत सुविधा योजना दो वर्ष के लिए हैं। योजना में निर्धारित शर्तों के अधीन अधोसंरचना लागत राशि किश्तों में जमा की जा सकेगी। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर की प्रबंध निदेशक रजनी सिंह ने बताया कि योजना के लाभ हेतु आवेदक को कंपनी के अधीक्षण यंत्री यानि वृत्त कार्यालय में आवेदन देना होगा। योजना के प्रावधान के अनुसार निर्धारित राशि का भुगतान करने का शपथ पत्र भी जरूरी हैं। नवीन कनेक्शनों के लिए आवेदकों को ऑनलाइन आवेदन देना होगा एवं विद्युत नियामक आयोग द्वारा निर्धारित सर्विस कनेक्शन शुल्क, सुरक्षा निधि आदि भी देय होगा। आवश्यक अधोसंरचना का निर्माण मप्रपक्षेविविकं द्वारा निर्धारित एसओआर के अनुसार होगा।

बिजली बिल भरना जरूरी, नहीं तो कटेगा कनेक्शन

निर्धारित किश्तों एवं मासिक देयकों का भुगतान नहीं किये जाने पर 15 दिवस की सूचना देकर बिजली कनेक्शन काटा जा सकेगा। योजना अवधि में कोई उपभोक्ता अपने परिसर का हस्तांतरण किसी अन्य व्यक्ति को करता है, तो निर्धारित शर्तों के तहत सभी सुविधाएं नए उपभोक्ता को प्राप्त हो सकेंगी। जिनके विरूद्ध कोई अन्य बकाया राशि या विद्युत चोरी के प्रकरण लंबित हैं,

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह दो दिन इंदौर में, शस्त्र पूजन भी करेंगे

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह दो दिन यात्रा पर शुक्रवार को इंदौर आ रहे है। दशहरे पर वे इंदौर में शस्त्र पूजन करेंगे और गरबा समारोह में भी शामिल होंगे। सिंह शुक्रवार शाम भोपाल से इंदौर आएंगे। वे रात साढ़े 9 बजे संस्था अभियान व महेश नगर उत्सव समिति द्वारा आयोजित गरबा महोत्स में शामिल होंगे। इसके बाद वे रात्रि विश्राम के लिए रेसीडेंसी कोठी जाएंगे। शनिवार को सिंह इंदौर प्रगतिशील क्षत्रिय महासभा के शस्त्र पूजन व दशहरा मिलन समारोह में शामिल होंगे।

इसके बाद वे कुछ कार्यकर्तागणों के निवास पर जाकर उनसे मुलाकात करेंगे। शाम सात बजे वे दशहरा मैदान पर आयोजित रावण दहन समारोह में भाग लेंगे। इसके बाद वे ब्यावरा के लिए रवाना हो जाएंगे। सिंह इससे पहले किसान ट्रैक्टर रैली में शामिल होने के लिए इंदौर आए थे। इस बार वे दो दिन इंदौर में रुकेंगे।

बालाघाट से अगवा की गई नाबालिग के साथ गरबा खेल रहा था आमिर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के हीरानगर इलाके में बुधवार रात गरबा पंडाल में एक युवक को पकड़ा गया, जिसने बालाघाट से एक नाबालिग लड़की का अपहरण किया था। युवक, जिसका नाम आमिर खान उर्फ अमन बताया जा रहा है, नाबालिग लड़की को अपने साथ लेकर इंदौर आया था और उसके साथ गरबा कर रहा था। इस घटना के बाद उसे स्थानीय हिंदू जागरण मंच के कार्यकताओं ने पकड़ा और पुलिस के हवाले कर दिया। मामला शहर के वैभव श्री गार्डन में आरकेई नवरात्रि डांडिया नाइट गरबा का है, जहां आमिर ने हिंदू जागरण मंच से जुड़ी महिला कार्यकर्ता की सतर्कता के चलते पकड़ लिया गया। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में यह पाया गया कि आमिर खान कई अन्य लड़कियों के संपर्क में भी था और उसका मोबाइल कई आपत्तिजनक सामग्रियों से भरा हुआ था। इस घटना के बाद आमिर खान के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग की जा रही है ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके। घटना की जानकारी तब मिली जब हिंदू जागरण मंच की महिला कार्यकर्ता ने युवक को नाबालिग लड़की के साथ गरबा करते हुए देखा। महिला कार्यकर्ता को शक हुआ और उन्होंने तुरंत हिंदू जागरण मंच के अन्य सदस्यों को सूचित किया। मंच के जिला संयोजक राजकुमार टेटवाल, मानसिंह राजावत और राजेश कुशवाह समेत अन्य कार्यकर्ता वहां पहुंचे और युवक से पूछताछ की। शुरूआत में युवक ने अपना नाम ह्लअमनह्व बताया, लेकिन सख्ती से पूछताछ के बाद उसने अपना असली नाम आमिर खान बताया।

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं को थी जानकारी

हिंदू जागरण मंच के कार्यकर्ताओं को सोशल मीडिया और वॉट्सएप के माध्यम से पहले से ही जानकारी थी कि आमिर खान, बालाघाट जिले के बैहर इलाके से एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर इंदौर आया था। यह घटना सितंबर 2024 की बताई जा रही है, जब आमिर ने लड़की को अपहरण कर नेहरू नगर में किराए के मकान में रखा था।

लड़कियों की अश्लील तस्वीरें और चैटिंग मिली

जांच के दौरान आमिर के मोबाइल से कई लड़कियों की अश्लील तस्वीरें और चैटिंग भी मिली, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। फिलहाल, पुलिस ने आमिर पर प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की है और बालाघाट पुलिस से संपर्क स्थापित किया है ताकि इस मामले में और जानकारी हासिल की जा सके।

जल जीवन मिशन में गड़बड़ी...! दिग्विजय ने पीएम मोदी को लिखा पत्र

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि मध्यप्रदेश के 5 करोड़ गरीब परिवारों के सूखे और प्यासे कंठो को नल से जल पहुंचने का दावा करने वाले नल जल मिशन के बजट आवंटन में लापरवाही करने वाले जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही मध्यप्रदेश सहित सभी दस राज्यों को तत्काल वांछित राशि जारी करने के निर्देश देने का कष्ट करें।

दिग्विजय सिंह ने पीएम को लिखा कि भारत सरकार द्वारा संचालित एक महत्वपूर्ण परियोजना जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन की ओर, मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाह रहा हूं। केन्द्र सरकार से पर्याप्त बजट आवंटन के अभाव में यह आपका महत्वाकांक्षी मिशन बीच राह में दम तोड़ता नजर आ रहा है। जमीनी स्तर पर दस बड़े राज्यों में नल-जल योजनाएं अधूरी पड़ी है।

दिग्विजय ने लिखा कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री को इस मामले में हस्तक्षेप कर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री को पत्र लिखकर फंड की कमी से संबंधित अपनी व्यथा बताई है।

दिग्विजय ने आगे लिखा कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत मध्यप्रदेश में 26 हजार 261 नल-जल योजनाएं मिशन अंतर्गत निर्माणाधीन है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा इन सभी एकल योजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है। इसी प्रकार 147 समूह नल-जल योजनाएं राज्य जल निगम के माध्यम से पूर्ण करायी जा रही है। उपरोक्त सभी योजनाओं को पूरा कराये जाने के लिये विभाग द्वारा करीब 78 हजार करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है। राज्य और केन्द्र सरकार ने मिलकर अब तक जल जीवन मिशन के तहत राज्य के 28 हजार करोड़ रुपए खर्च कर दिये है। अधिकांश नल-जल योजनाएं आधी-अधूरी स्थिति में हैं। प्रदेश में प्रशासकीय स्वीकृति के मान से आगामी समय में करीब 50 हजार करोड़ रुपए का व्यय अनुमानित है।

वादा मध्यप्रदेश के 52 हजार ग्रामों में अधूरा

दिग्विजय सिंह में आगे लिखा कि इस वर्ष 15 अगस्त 2024 को आपने लाल किले की प्राचीर से 5 साल में 15 करोड़ परिवार तक नल जल के माध्यम से जल पहुंचने का भरोसा दिलाया था। पर आपका यह वायदा मध्यप्रदेश के 52 हजार ग्रामों में अधूरा नजर आ रहा है। राज्य सरकार ने केंद्र के भरोसे ताबड़तोड़ तरीके से पाईप खरीद लिए पर

जल स्त्रोत पर ध्यान नही दिया, स्थानीय समाचार पत्रों और सोशल मीडिया में नल-जल मिशन के आधे-अधूरे कार्य जनचर्चा का विषय है, लोग भ्रष्टाचार के आरोप भी लगा रहे है। मैं, पत्र के साथ कुछ समाचार पत्र की कतरन और एक टीवी चैनल पर प्रसारित वीडियो भी प्रेषित कर रहा हूं।

थर्ड पार्टी से सोशल ऑडिट करने की मांग

दिग्विजय सिंह ने आगे लिखा कि प्रदेश में अब तक खर्च 28 हजार करोड़ रुपये से निर्मित संरचनाओं का किसी तटस्थ थर्ड पार्टी से सोशल ऑडिट कराने पर आपको प्रोजेक्ट की हकीकत पता चल जाएगी। बहुत कम जिले और योजनाएं ऐसी मिलेंगी जिनमें अनियमितता न बरती गई, ठेकेदारों पर घटिया कार्य करने तथा अधूरे काम करने के संगीन आरोप है। अब तक बड़ी संख्या में ठेकेदारों को पीएचई विभाग ने घटिया निर्माण कार्य करने, अमानक पाईप लाईन बिछाने के अरोपों में ब्लैक लिस्ट किया गया है। जिसमें अनेक कंपनियां गुजरात से जुड़ी है। जो गुजरात राज्य का नाम खराब कर रही है। बहुत से अधिकारियों के खिलाफ भी विभागीय जांच चल रही है।

बुरहानपुर को लेकर खड़े किए सवाल

दिग्विजय सिंह ने पत्र में प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य शासन ने मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले को देश का पहला ऐसा जिला घोषित किया था, जिसके हर घर में नल से जल पहुंचने का दावा किया था। पर वास्तविकता कुछ और ही है। उसकी हकीकत समाचार पत्रों में रोज प्रकाशित होती है। भारत सरकार के तकनीकी विशेषज्ञों का जांच दल गठित कर कुछ चुनिंदा जिलों की स्थल पर जांच कराई जाना चाहिये। ताकि आपका महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट लालफीताशाही और ठेकेदारों के गठजोड का शिकार न बन सके। लेटलतीफी और भ्रष्टाचार के आरोपों की भेंट चढ़ रहे इस मिशन में अब केन्द्र सरकार से समय पर धन राशि नही मिल रही है। गत वर्ष 10 हजार करोड़ खर्च करने के बाद भी करीब 1500 करोड़ रुपये के भुगतान लंबित है। जिससे योजनाओं के कार्य पूर्ण नहीं हो पा रहे हैं। राज्य सरकार को इस वर्ष 2024-25 में 17 हजार करोड़ रुपये की आवश्यकता है। जिसमें केन्द्र के हिस्से के 8500 करोड़ मिलने है पर राज्य सिर्फ 4044 करोड़ रुपये ही दे रहा है। जबकि राज्य शासन को केन्द्रीय हिस्सेदारी के 4455 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। केन्द्र ने आधा साल व्यतीत हो जाने पर भी सिर्फ 2022 करोड़ रुपये ही दिये है।

जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की मांग

प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने अक्टूबर 2024 में जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल को अर्द्धशासकीय पत्र के माध्यम से केन्द्र से फंड नही मिलने पर आपत्ति दर्ज कराई है। उन्होने इस वित्तीय वर्ष में करीब 6 हजार 500 करोड़ रुपये शीघ्र दिये जाने की गुहार लगाई है। एक तरफ आप तीसरे कार्यकाल के पहले 100 दिनों में 15 लाख करोड़ रुपये की नई परियोजनाओं को शुरू करने का दावा कर रहे हैं वहीं दूसरी तरफ बहुचर्चित जल जीवन मिशन में केन्द्र से समय पर बजट की आपूर्ति न होने पर अधिकांश राज्यों में बीच राह में दम तोड़ता नजर आ रहा है। मेरा आपसे अनुरोध है कि मध्यप्रदेश के 5 करोड़ गरीब परिवारों के सूखे और प्यासे कंठो को नल से जल पहुंचने का दावा करने वाले नल जल मिशन के बजट आवंटन में लापरवाही करने वाले जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई की जाए। साथ ही मध्यप्रदेश सहित सभी दस राज्यों को तत्काल वांछित राशि जारी करने के निर्देश देने का कष्ट करें।

सीएम बोले- यह सांस्कृतिक आयोजन अब यह सामाजिक, सांस्कृतिक विरासत और विकास के बहुत से आयामों का आयोजन

महाशिवरात्रि से गुड़ी पड़वा तक उज्जैन में होगा विक्रमोत्सव-2025 का पहला चरण

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गुड़ी पड़वा पर्व 30 मार्च को उज्जैन के साथ पूरे प्रदेश में विक्रम पर्व (सृष्टि आरम्भ दिवस) के रूप में मनाया जाएगा। विक्रमोत्सव-2025 के पहले चरण का आयोजन महाशिवरात्रि से गुड़ी पड़वा तक उज्जैन में होगा। 101 दिनों तक चलने वाले इस कार्यक्रम को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा कि महोत्सव में होने वाले अखिल भारतीय कवि सम्मेलन को विक्रमादित्य पर केन्द्रित किया जाये और कवियों की कविताओं को लेखबद्ध करें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विक्रमोत्सव 2025 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम, व्यापार मेला, प्रदर्शनी, विचार समागम पर चर्चा के दौरान कहा कि राष्ट्रीय वैज्ञानिक संगम में विज्ञान और खगोल विषय से जुड़े विशेषज्ञों को विक्रमोत्सव में आमंत्रित करें। इससे आयोजन की गरिमा बढ़ेगी और प्रदेश के युवाओं को भी इससे प्रेरणा मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विक्रमोत्सव के दूसरे चरण में 30 मार्च से ही 30 जून-2025 तक पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रदेश की नदियों, जल संरचनाओं के संरक्षण- संवर्धन का कार्य प्रदेश स्तर पर किया जायेगा। इस आयोजन का समापन गंगा दशहरा पर विगत वषानुंसार विशिष्ट सांस्कृतिक आयोजन के साथ होगा। इस वर्ष 2025 में यह आयोजन 101 दिन से अधिक का प्रस्तावित है। शुरू के वर्षों में महज यह सांस्कृतिक आयोजन भर था, लेकिन अब यह सामाजिक, सांस्कृतिक विरासत और विकास के बहुत से आयामों का आयोजन बन चुका है।

भव्य रूप में होगा कालिदास समारोह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में होने वाले विक्रमोत्सव-2025 और अखिल भारतीय कालिदास समारोह को भव्य रूप में आयोजित किया जायेगा। उज्जैन में आयोजन के दौरान अतिथियों और विद्यार्थियों को महाकाल देवदर्शन के साथ उज्जैन के इतिहास, विज्ञान, संस्कृति और मूल्यों से परिचय कराया जाये। मंत्रालय में विक्रमोत्सव-2025, अखिल भारतीय कालिदास समारोह और वीर भारत न्यास द्वारा

निर्मित किए जा रहे संग्रहालय की समीक्षा के दौरान उन्होंने कालिदास संस्कृत अकादमी की केंद्रीय समिति की बैठक भी ली।

गढ़कालिका मंदिर में लगे कालिदास पर शिलालेख

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि कालिदास समारोह 12 से 18 नवंबर तक उज्जैन में होगा। इसकी शुरूआत 10 नवंबर से उज्जैन में गढ़कालिका मंदिर में वागअर्चन से होगी। कालिदास समारोह की शुरूआत गढ़कालिका मंदिर से शुरू होती है। कालिदास का गढ़कालिका मंदिर से संबंध और उसके महत्व पर शिलालेख स्थापित किया जाना चाहिए। साथ ही कालिदास से संबंधित अन्य स्थलों पर भी जन-सामान्य की जानकारी के बोर्ड भी लगाए जायें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालिदास सम्मान समारोह के दौरान दिए जाने वाले पुरस्कारों की राशि में वृद्धि किए जाने के निर्देश दिये। समारोह में अतिथियों के आमंत्रण, कार्यक्रम स्वरूप, पुरस्कार और सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित अन्य व्यवस्थाओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कालिदास समारोह की रूपरेखा को प्रेजेंटेशन के माध्यम से जाना।

स्थायी स्ट्रक्चर तैयार करने के निर्देश

मुख्यमंत्री ने कालिदास समारोह को लेकर कहा कि अस्थायी स्ट्रक्चर की जगह स्थायी स्ट्रक्चर बनाया जाना चाहिए। इससे अस्थायी स्ट्रक्चर पर हर बार लगने वाले खर्चे में कमी आएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष भर होने वाले सांस्कृतिक आयोजन और रचनात्मक गतिविधियों को ध्यान में रखकर अधोसंरचना निर्माण का प्लान बनाएं।

एक्सपीरियंशल और एक्टिविटी बेस्ड संग्रहालय

मुख्यमंत्री डॉ. ने वीर भारत न्यास की बैठक में कहा कि उज्जैन में नव-निर्माणाधीन संग्रहालय को एक साहित्य और पारंपरिक संग्रहालय की जगह एक्सपीरियंशल और एक्टिविटी बेस्ड संग्रहालय बनाने के प्रयास हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि संग्रहालय में दीर्घाओं के विषय के आधार पर संग्रहालय के नाम परिवर्तन पर भी विचार करें। संग्रहालय पर अध्ययन करने के लिए आने वाले शोधकताओं के लिए रुकने सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था बनाए। संग्रहालय के लिए प्रस्तावित सड़क निर्माण के लिए विशेषज्ञों और संगठनों के साथ मिलकर प्लान बनाया जाये।

बोरी में मिली नवजात की मौत, फेंकने वाली नर्स गिरफ्तार, पांच को बनाया आरोपी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के बागउमराव दूल्ला क्षेत्र में बुधवार सुबह नाले के किनारे बोरी में मिली दो दिन की नवजात की इलाज के दौरान गुरुवार सुबह मौत हो गई है। नवजात को जन्म देने वाली की भी पहचान हो गई है, वह 17 साल की है और कक्षा 11वीं की छात्रा है। नाबालिग के करीबी रिश्तेदार के दुष्कर्म से वह गर्भवती हुई थी, जिसकी वजह से वह स्कूल भी नहीं जा रही थी। बदनामी से बचने के लिए नाबालिग की मां अपने माता-पिता के जरिए एक निजी चिकित्सक से नाबालिग की प्री-मैच्योर डिलीवरी कराई थी। पुलिस ने गर्भपात कराने और बोरी में भरकर नाले के किनारे नवजात को फेंकने वाली महिला को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है। महिला आसमा खान नाम की है और वह नर्स है। पहले भी वह नर्स का कार्य करती थी। पुलिस इस मामले में पुलिस हिरासत में रखी गई नर्स आसमा खान, नाबालिग, उसकी मां नाना-नानी के साथ प्री-मैच्योर डिलीवरी व गर्भपात कराने वाले डॉक्टर को भी आरोपी बनाने जा रही है। आज देर शाम तक सभी के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया जाएगा। वहीं नवजात का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव नाबालिग के परिजनों को सौंप दिया गया है।

पुलिस की पूछताछ में नर्स आमसा खान ने बताया कि नाबालिग की गर्भपात या प्री-मैच्योर डिलीवरी कराने के लिए नाबालिग की मां ने अपने माता-पिता यानी नाबालिग के नाना-नानी के साथ मिलकर आसमा से 60 हजार में सौदा किया था। हालांकि डिलीवरी कराने वाले डॉक्टर ने अलग से कितने रुपए लिए हैं, यह स्पष्ट नहीं हो सका है। डॉक्टर कौन है, पुलिस पूछताछ कर पता लगा रही है। पुलिस को यह भी आशंका है कि कहीं आसमा ने खुद को बचाने के लिए किसी डॉक्टर का नाम तो नहीं ले रही, क्योंकि डिलीवरी कराने और पैदा होने वाले नवजात को ठिकाने लगाने की पूरी जिम्मेदारी आमसा खान की थी। सीसीटीवी फुटेज में वह बोरी में रखकर अपनी स्कूटी से नवजात को ले जाते हुए और उसे नाले के किनारे रखते हुए भी दिख रही है। पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से महिला के बारे में सुराग मिला था। पुलिस अब इस मामले में जल्द ही नाबालिग की मां और उसके नाना-नानी को भी गिरफ्तार करने की तैयारी में है।

राहगीरों ने नवजात शिशु के रोने की आवाज सुनी थी

आरोपी महिला ऐशबाग क्षेत्र में स्थित बाग उमराव दूल्हा में रेलवे ट्रैक के नजदीक नवजात बच्ची को बोरी में रखकर छोड़ गई थी। बुधवार सुबह उस इलाके से गुजर रहे राहगीरों ने जब नवजात शिशु के रोने की आवाज सुनी तो वे हतप्रभ रह गए। उन्होंने आसपास देखा तो उन्हें एक पीले रंग की बोरी दिखी। जब उस बोरी को खोला गया, तो उसमें नवजात बच्ची रोती हुई नजर आई। बच्ची के शरीर पर एक कपड़ा तक नहीं था। यहां तक कि बच्ची की गर्भनाल भी नहीं कटी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर बच्ची को बरामद किया और उसे ले जाकर कमला नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान गुरुवार सुबह नवजात की मौत हो गई है। चिकित्सकों ने बताया कि प्री-मैच्योर डिलीवरी थी।

डिवाइडर से टकराई बाइक, भाई-बहन की मौत, सवार थे 6 लोग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के रातीबढ़ थाना इलाके में स्थित छोटी झागरिया में एक तेज रफ्तार बाइक डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में 11 साल की बहन और 5 साल के भाई की मौत हो गई। पिता और भाई सहित चार लोग घायल हो गए। सभी घायलों का हमीदिया अस्पताल इलाज चल रहा है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पीएम के बाद गुरुवार की दोपहर को शव परिजन को सौंप दिए गए हैं। एएसआई गंगाराम सिंह के मुताबिक, सिवनी का रहने वाला सुनील मरावी सिकंदराबाद में क्रेशर पर काम करता है। क्रेशर पर ही उसका परिवार भी रहता है। बुधवार दोपहर को वह सलकनुपर दर्शन करने के लिए बाइक पर अपनी बेटी वैशाली (11), बेटे रोहित (9), रोहन (5) के साथ अपने साले चिंटू उर्फ अंकित और साथी अर्जुन नरवे के साथ जा रहा था। एक ही बाइक पर छह लोग सवार थे। क्रेशर से करीब तीन किलोमीटर दूर छोटी झागरिया तक ही पहुंचे थे, तभी उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में बाइक पर सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे। घटना की खबर लगते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां गुरुवार तड़के सुबह वैशाली और रोहन की मौत हो गई। जबकि सुनील की हालत नाजुक बताई जा रही है। एएसआई गंगाराम सिंह ने बताया कि घायल सुनील मरावी की पत्नी ने सलकनपुर जाने से मना कर दिया था। वह घरों में साफ-सफाई का काम करती थी। इसलिए वह काम पर चली गई थी, तभी सुनील बच्चों के साथ चला गया था। पुलिस ने बच्चों का पीएम कराने कराने के बाद शव उनके परिजन को सौंप दिए हैं।

सड़क की चौड़ाई को लेकर मंत्री कृष्णा गौर के बंगले पर पहुंचे किसान

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल के खजूरीकलां के कई किसान गुरुवार को राज्यमंत्री कृष्णा गौर के लिंक रोड नंबर-1 स्थित बंगले पर पहुंचे। वे गांव में निर्माणाधीन सड़क की चौड़ाई के संबंध में शिकायत करने पहुंचे थे। करीब दो घंटे तक वे बंगले के बाहर बैठे रहे। हालांकि, मंत्री गौर के नहीं मिलने पर वे लौट गए। किसान कुबैर सिंह राजपूत ने बताया, गांव में इंडियन बैंक से न्यू बायपास तक 80 फीट रोड बन रही है।

यह राहगीरों और ग्रामीणों के लिए अच्छी बात है, लेकिन सरकार ने किसानों की जमीन अधिग्रहित की है। उसका मुआवजा नहीं दिया गया है। न ही निर्माण गुणवत्ता वाला है। कृषक राजपूत ने बताया, खजूरीकलां गांव में 8 किसानों के खेत में सड़क डायवर्ट की गई है। हमने कहा है कि यदि कोई धार्मिक स्थल सड़क निर्माण में आ रहा है तो उसे विस्थापित किया जाए। कुछ धार्मिक हटाए भी गए हैं। अन्य 50 से अधिक किसानों को मुआवजा भी नहीं मिला है। किसानों ने मंत्री गौर से मिलने के लिए करीब दो घंटे तक इंतजार किया। मंत्री के नहीं मिलने के बाद वे लौट गए। राजपूत ने बताया, इस मामले को लेकर अब तक कई बार अधिकारी और जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर चुके हैं। अब मुख्यमंत्री से मिलकर अपनी बात रखेंगे।

भोपाल में बढ़े डेंगू, चिकनगुनिया के मरीज, एक सप्ताह में ही 70 केस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजधानी में भोपाल में डेंगू और चिकनगुनिया का विस्फोट शुरू हो गया है। शहर में महज एक सप्ताह में 70 से ज्यादा लोगों की रिपोर्ट पॉजीटिव आई है। शहर में बढ़ते मरीजों से विभाग में चिंता की लहर दौड़ गई है। राजधानी में जहां अभी तक एक दो मरीज पॉजिटिव आ रहे थे, वहीं अब हर दिन 8-10 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। शहर में डेंगू के साथ चिकनगुनिया के मामलों भी तेजी से बढ़ोतरी हो रही है। अब तक शहर में डेंगू की 8896 जांच में 419 पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं। बीते 8 दिन में डेंगू के 71 पॉजिटिव मरीज मिले हैं। वहीं चिकनगुनिया के 31 केस सामने आए है। इधर मलेरिया विभाग और एम्बेड परियोजना को कर्मचारी नवरात्रि पूजन के दौरान झांकियों में लोगों को डेंगू, मलेरिया के प्रति जागरूक कर रहे हैं। गौरतलब है कि पिछले साल डेंगू के मरीज ज्यादा थे लेकिन वे कुछ सीमित क्षेत्रों में ही थे। जबकि इस बार मरीज कम हैं लेकिन संक्रमण लगभग पूरे शहर में हैं। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि अब तक एक ही स्थान पर 20 से ज्यादा मामले मिलने पर ही हॉट स्पॉट माना जाता था। इस बार इतने मरीज किसी इलाके में नहीं है, ऐसे में पांच मरीजों वाले क्षेत्र को ही हॉट स्पॉट माना जा रहा है। हालांकि जनवरी से अब तक 1879 जांच में 131 चिकनगुनिया पॉजिटिव मरीज मिले हैं। यह डॉक्टर्स के साथ ही आम जनता के लिए भी रहस्यमय स्थिति बनी हुई है कि डेंगू जैसे लक्षण लेकर हजारों लोग रोज किसी न किसी अस्पताल में पहुंच रहे हैं, लेकिन पॉजिटिव मरीज उन्हें ही माना जा रहा है जो सरकार द्वारा तय की गई सेंटिनल साइट में एलाइजा टेस्ट में पॉजिटिव आ रहे हैं।

बारिश के बाद बढ़ाते हैं डेंगू के मरीज- विशेषज्ञों का मानना है कि बारिश के बाद मच्छरों की आबादी बढ़ने से चिकनगुनिया और डेंगू के मामले बढ़े हैं। जेपी अस्पताल के मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. लोकेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि डेंगू, चिकनगुनिया दोनों मच्छरों से फैलती हैं, लेकिन डेंगू में तेज बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियों में दर्द होता है, जबकि चिकनगुनिया में जोड़ों में दर्द लंबे समय बना रह सकता है।

अस्पतालों में बढ़ रहा है दबाव

शहर के प्रमुख अस्पतालों में डेंगू और चिकनगुनिया के लक्षणों के साथ मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

दुर्गा पंडालों में लोगो को बता रहे डेंगू से बचाव के उपाय

वाहक जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत मलेरिया, नगर निगम एवम एंबेड टीम फैमिली हेल्थ इंडिया के द्वारा समस्त जोन में संयुक्त रूप से जनजागरुकता एवम लार्वा सर्वे का के किया जा रहा है। इसी क्रम में शहर में डेंगू एवं मलेरिया के नियंत्रण के लिए सतत रूप से गतिविधियां जैसे धार्मिक स्थलों, चौराहों, विद्यालयों आदि पर टीम के द्वारा जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी के निर्देशन में नवरात्रि पूजन के दौरान टीम ने झांकी के दौरान लोगो को डेंगू से बचाव के बारे में बताया जा रहा है।

सम्पादकीय

जितने बड़े उद्योपति उतने ही बड़े परोपकारी थे रतन टाटा

रतन टाटा बड़े उद्योगपति के साथ ही अपेक्षाकृत साधारण जीवनशैली और परोपकारी कार्यों के लिए भी जाने गए। समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की लगभग दो-तिहाई शेयर पूंजी परोपकारी ट्रस्टों के पास है। रतन टाटा के नेतृत्व में समुचित विकास के लिए समूह ने यह निश्चय किया कि उसे भारतीय सीमाओं से परे भी देखना होगा। अपनी कारोबारी यात्रा पर 2013 में स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में टाटा ने कहा था कि यह विकास की खोज थी और हमें आधारभूत नियमों को बदलना था, ताकि हम अधिग्रहण के माध्यम से खुद को आगे ले जा सके। यह हमने पहले कभी नहीं किया था।

टाटा समूह के पूर्व चेयरमैन रतन टाटा का बुधवार को निधन हो गया। रतन टाटा वह शख्स थे जिन्होंने बड़े अधिग्रहणों के साथ एक स्थिर और विशाल भारतीय समूह को वैश्विक मंच पर स्थापित किया। रतन टाटा 86 वर्ष के थे। मुंबई के एक अस्पताल की आईसीयू में उनका इलाज चल रहा था। उन्होंने 20 वर्षों से अधिक समय तक चेयरमैन के तौर पर टाटा समूह का नेतृत्व किया। रिटायरमेंट के बाद भी समूह के संचालन में उनका अहम योगदान बना रहा। रतन टाटा के निधन के बाद टाटा समूह ने कहा- 'हम बहुत बड़ी क्षति के साथ रतन नवल टाटा को विदाई दे रहे हैं, वे वास्तव में एक असाधारण नेता थे, जिनके अतुलनीय योगदान ने न केवल टाटा समूह को बल्कि हमारे राष्ट्र के ढांचे को भी आकार दिया।' अमेरिका के कॉर्नेल विश्वविद्यालय से वास्तुकला में स्नातक की डिग्री हासिल करने के बाद रतन टाटा भारत लौटे और 1962 में उस समूह के लिए काम करना शुरू किया जिसकी स्थापना उनके परदादा ने लगभग सौ साल पहले की थी। अपनी सेवा के दौरान उन्होंने टाटा समूह की कई टाटा कंपनियों में काम किया, जिनमें टेल्को (अब टाटा मोटर्स लिमिटेड) और टाटा स्टील लिमिटेड जैसी कंपनियों शामिल हैं। आगे चलकर उन्होंने टाटा की एक अन्य इकाई नेशनल रेडियो एंड इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी में घाटे को खत्म करके बाजार हिस्सेदारी बढ़ाई जिससे उनकी अलग पहचान बनी। 1991 में, जब रतन टाटा के चाचा जेआरडी टाटा ने पद छोड़ा, तब उन्हें समूह की कमान सौंपी गई। उन्होंने 1991 से दिसंबर 2012 तक नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाली कंपनी 'टाटा संस' के अध्यक्ष के रूप में टाटा ग्रुप का नेतृत्व किया। यह कमान उनके हाथों में उस समय सौंपी गई जब भारत ने अपनी अर्थव्यवस्था में क्रांतिकारी सुधारों की शुरुआत की थी। उसी दौरान सरकार ने अर्थव्यवस्था को वैश्विक निवेश के लिए खोला जिससे और देश में बड़े विकास का दौर शुरू हुआ। अपने शुरुआती दिनों में रतन टाटा समूह की कई कंपनियों में लंबे समय से काबिज कुछ दिग्गजों की शक्तियों पर लगाम लगाने की कोशिश की। कंपनियों में सेवानिवृत्ति की आयु निर्धारित की गई और युवा लोगों को वरिष्ठ पदों पर पदोन्नत किया गया। इन कंपनियों पर उनका नियंत्रण बढ़ता गया। उन्होंने दूरसंचार कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज की स्थापना की। 1996 में उन्होंने आईटी फर्म टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज को अपने अधीन कर लिया। समूह की आमदनी में बड़ा हिस्सा देने वाली इस कंपनी को 2004 में सार्वजनिक किया गया। रतन टाटा के नेतृत्व में समुचित विकास के लिए समूह ने यह निश्चय किया कि उसे भारतीय सीमाओं से परे भी देखना होगा। अपनी कारोबारी यात्रा पर 2013 में स्टैनफोर्ड ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में टाटा ने कहा था कि यह विकास की खोज थी और हमें आधारभूत नियमों को बदलना था, ताकि हम अधिग्रहण के माध्यम से खुद को आगे ले जा सके। यह हमने पहले कभी नहीं किया था। समूह ने 2000 में ब्रिटिश चाय कंपनी टेटली को 432 मिलियन डॉलर में और 2007 में एंग्लो-डच स्टील निर्माता कोरस को 13 बिलियन डॉलर में खरीदा था। यह उस समय किसी भारतीय कंपनी की ओर से की गई विदेशी कंपनी का सबसे बड़ा अधिग्रहण था। इसके बाद टाटा मोटर्स ने फोर्ड मोटर कंपनी (एफएन) से ब्रिटिश लग्जरी ऑटो ब्रांड जगुआर और लैंड रोवर का अधिग्रहण किया। यह सौदा 2008 में 2.3 बिलियन डॉलर में हुआ। टाटा मोटर्स में उनकी पसंदीदा परियोजनाओं में इंडिका (भारत में डिजाइन और निर्मित पहली कार) और नैनो (जिसे दुनिया की सबसे सस्ती कार बताया गया) शामिल थी। रतन टाटा ने दोनों मॉडलों के लिए शुरुआती स्केच तैयार किए थे। इंडिका व्यावसायिक रूप से सफल रही। हालांकि, नैनो, जिसकी कीमत मात्र 100,000 रुपए थी और जो भारत के आम लोगों के लिए एक किफायती कार बनाने के रतन टाटा के सपने की परिणति थी, को सुरक्षा से जुड़ी चिंताओं और गड़बड़ मार्केटिंग के कारण नुकसान उठाना पड़ा।

रतन टाटा ने टाटा समूह को दिलाई वैश्विक पहचान

रतन टाटा की प्रेरणादायक यात्रा हमें यह याद दिलाती है कि अगर हम अपने सपनों के लिए मेहनत करें और कभी हार न मानें, तो चांद की तरह चमकना संभव है। रतन टाटा की जीवनगाथा यह साबित करती है कि सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष करना ही असली सफलता है। उन्होंने अपने जीवन में जो उपलब्धियां हासिल कीं, वे हमें प्रेरित करती रहेंगी। उनकी कहानी हर युवा के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी, यह दिखाते हुए कि कठिनाइयों के बावजूद, अगर आपके इरादे मजबूत हों, तो आप किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं।

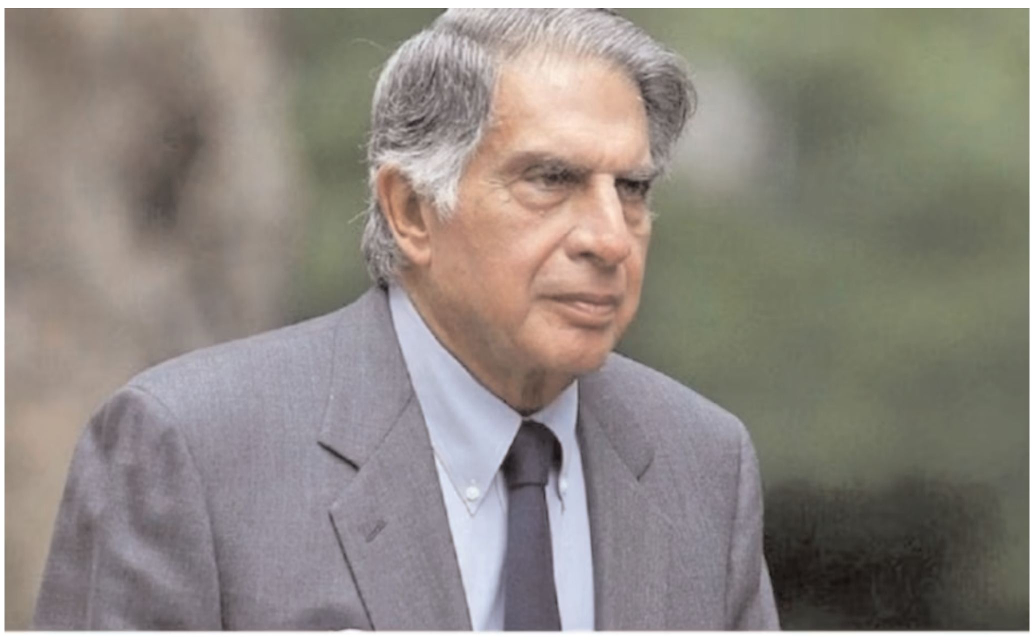

28 दिसंबर 1937 की शाम, मुंबई के एक मध्यवर्गीय परिवार में एक बच्चे का जन्म हुआ। उस बच्चे का नाम था रतन नवरोज टाटा। रतन का परिवार भारतीय उद्योग के पितामह, जमशेदजी टाटा से जुड़ा हुआ था। उनके दादा ने भारतीय उद्योग की नींव रखी और अपने समय में कई महत्वपूर्ण संस्थानों की स्थापना की। रतन को बचपन से ही अपने दादा के कार्यों का प्रभाव महसूस हुआ। उन्होंने अपने दादा की कहानियों को सुना और हमेशा यही सोचा कि क्या वह भी एक दिन उनके पदचिन्हों पर चल सकेंगे।

रतन की मां सोनू टाटा और पिता नवरोज टाटा ने हमेशा उन्हें प्रेरित किया कि वे शिक्षा पर ध्यान दें। रतन की शिक्षा मुंबई में हुई और वे एक बुद्धिमान और मेहनती छात्र बने। हालांकि, उनकी जिंदगी में कठिनाइयां भी थीं। जब रतन केवल 10 साल के थे, उनके माता-पिता का तलाक हो गया। यह एक कठिन समय था, लेकिन इसने रतन को और मजबूत बना दिया। वह अपनी दादी के पास रहने लगे, जो उन्हें जीवन के मूल्यों और संघर्षों के बारे में सिखाती थीं। रतन ने अपनी उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका के कॉर्नेल यूनिवर्सिटी में दाखिला लिया, जहां उन्होंने आर्किटेक्चर और मैनेजमेंट की पढ़ाई की। उनकी शिक्षा ने उन्हें एक व्यापक दृष्टिकोण दिया, लेकिन उन्हें अपने देश से दूर रहने का गहरा अहसास भी हुआ। अमेरिका में पढ़ाई करते समय उन्होंने अपने दादा की बातें याद कीं, 'यदि आप अपने सपनों को साकार करना चाहते हैं, तो आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।'1962 में, रतन ने टाटा समूह में एक कर्मचारी के रूप में काम करना शुरू किया। शुरुआत में उन्हें कई बार दूसरों ने नजरअंदाज किया और यह साबित करना पड़ा कि वे एक योग्य लीडर हैं। उन्होंने सबसे पहले एक छोटे से प्रोजेक्ट पर काम किया, लेकिन जल्दी ही उनकी प्रतिभा का लोहा मान लिया गया। 1991 में, रतन टाटा ने टाटा समूह का नेतृत्व संभाला। उन्होंने कई महत्वपूर्ण फैसले लिए, जिनमें से एक था टाटा नैनो का उत्पादन। यह दुनिया की सबसे सस्ती कार बनने का सपना था। रतन ने नैनो को बाजार में उतारने के लिए कड़ी मेहनत की, लेकिन जब उसकी बिक्री उम्मीद के मुताबिक नहीं हुई, तो उन्हें भारी आलोचना का सामना करना पड़ा। इस समय रतन का दिल टूट गया। उन्होंने सोचा, 'क्या मैंने गलत निर्णय लिया?' लेकिन उनकी दादी की बातें उनके दिमाग में गूंजने लगीं, 'हर कठिनाई में एक अवसर होता है।'

रतन ने अपने अनुभवों से सीखा और नये दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का निर्णय लिया। उन्होंने न केवल नैनो की रणनीति में बदलाव किया, बल्कि अपनी टीम को भी प्रेरित किया कि वे नए विचारों के साथ आगे बढ़ें। यह उनकी क्षमता का परिचायक था कि उन्होंने न केवल एक असफलता को सफल बनाया, बल्कि अपने इरादों में दृढ़ता भी दिखाई। रतन टाटा ने न केवल टाटा नैनो को फिर से सफल बनाया, बल्कि उन्होंने कई अन्य महत्वपूर्ण अधिग्रहण भी किए। उन्होंने जगुआर और लैंड रोवर को खरीदकर टाटा समूह को वैश्विक पहचान दिलाई। इसने भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नया मानक स्थापित किया। उनके इस कदम ने भारतीय उद्योग को एक नई दिशा दी और टाटा समूह को एक शक्तिशाली ब्रैंड बना दिया।

रतन की सफलता की कहानी केवल व्यवसाय तक सीमित नहीं थी। उन्होंने हमेशा समाज की भलाई के लिए काम किया। टाटा ट्रस्ट के माध्यम से उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं चलाईं। उनका मानना था, 'सफलता का असली अर्थ है दूसरों की भलाई में योगदान करना।' उन्होंने कहा, 'हमेशा याद रखें कि असली उद्यमिता वही है जो समाज को बदलने के लिए काम करे।' रतन टाटा ने हमेशा समाज की भलाई के लिए काम किया। उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार, शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने और गरीबों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कई योजनाएं बनाई। टाटा ट्रस्ट के माध्यम से उन्होंने कई अस्पतालों की स्थापना की और कई शिक्षण संस्थानों की मदद की।

उनका एक प्रसिद्ध उद्धरण है, 'मैं अपने देश के लिए एक सपना देखता हूं, जहां हर व्यक्ति को अपने अधिकार मिलें।' उन्होंने समाज में बदलाव लाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया कि वे अपने सपनों के पीछे दौड़ें और समाज के उत्थान के लिए कार्य करें।

9 अक्टूबर 2024 को, रतन टाटा का निधन मुंबई में हुआ। उनका जाना केवल एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि एक युग का अंत था। उनके द्वारा किए गए कार्य और उनके दृष्टिकोण ने उन्हें एक महान नेता बना दिया। उन्होंने हमें यह सिखाया कि असली सफलता का मतलब सिर्फ व्यवसाय में सफल होना नहीं है, बल्कि समाज की सेवा करना भी है।

उनकी प्रेरणादायक यात्रा हमें यह याद दिलाती है कि अगर हम अपने सपनों के लिए मेहनत करें और कभी हार न मानें, तो चांद की तरह चमकना संभव है। रतन टाटा की जीवनगाथा यह साबित करती है कि सपनों को साकार करने के लिए संघर्ष करना ही असली सफलता है। उन्होंने अपने जीवन में जो उपलब्धियां हासिल कीं, वे हमें प्रेरित करती रहेंगी। उनकी कहानी हर युवा के लिए प्रेरणा का स्त्रोत बनेगी, यह दिखाते हुए कि कठिनाइयों के बावजूद, अगर आपके इरादे मजबूत हों, तो आप किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं। रतन टाटा की विरासत आज भी जीवित है। उनके विचार और कार्य हमें सिखाते हैं कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए हमें हमेशा एक कदम आगे बढ़ना चाहिए। उनका नाम न केवल भारतीय उद्योग में बल्कि पूरे विश्व में सम्मान के साथ लिया जाएगा। उन्होंने अपने जीवन में जो आदर्श स्थापित किए, वे हमें हमेशा प्रेरित करेंगे कि हम अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ते रहें और दूसरों की भलाई के लिए काम करें। उनकी कहानी यह सिखाती है कि असली नेतृत्व वही है, जो दूसरों के उत्थान के लिए किया जाए। रतन टाटा ने साबित किया कि अगर दिल में सच्ची मेहनत और समर्पण हो, तो कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। आज पूरा देश रो रहा है। ऐसा देश जहां उद्योगपतियों को कुछ खास अच्छी नजर से नहीं देखा जाता, वहां रतन टाटा हरदिल अजीज थे। उनकी सादगी। उनकी ईमानदारी। उनका विजन। उनका नेतृत्व...सब कुछ शानदार रहा। धड़कनों में देश और दिल में मानवता। कर्मचारियों को हमेशा परिवार का हिस्सा माना। प्रेम, दया, करुणा...जिनके व्यक्तित्व में ये शब्द साकार हो जाते थे। अर्थ पा जाते थे। यूं ही कोई रतन टाटा नहीं हो जाता है। यह क्यों कह रहे, समझना है तो सिर्फ 26/11 के मुंबई आतंकी हमले के वक्त उन्होंने जो कुछ किया, उसे देख-समझ लीजिए। पता चल जाएगा कि रतन टाटा एक अलग ही मिट्टी के बने थे। होटल ताज में आतंकियों की गोलियां तड़तड़ा रही थीं और उसी तड़तड़ाहट के बीच न सिर्फ टाटा वहां पहुंच गए बल्कि डटे रहे। आतंकी हमले के पीड़ितों की मदद के लिए जो किया, उसकी सदियों तक मिसालें दी जाएंगी।

26 नवंबर 2008 की मनहूस शाम। देश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाली मुंबई पर पाकिस्तान से आए 10 आतंकियों ने हमला कर दिया। हमला क्या किया, एक तरह से पूरे शहर को बंधक बना लिया। 60 घंटों तक। 3 दिनों तक आतंकियों ने जहां-जहां तांडव किया, उनमें से एक था मशहूर ताज होटल। वही जिसे 1903 में रतन टाटा के दादा जमशेदजी टाटा ने इसलिए बनवाया था कि नस्लभेद की वजह से उन्हें मुंबई के वाटसंस नाम के एक होटल में जाने से रोक दिया गया था। मुंबई हमले के दौरान सबसे आखिर में जिस जगह पर आतंकियों का सफाया हुआ, वह था ताज होटल। मुंबई आतंकी हमले में 166 लोगों की मौत हुई थी। 10 आतंकियों में से 9 ढेर कर दिए गए। अजमल कसाब नाम के आतंकी को जिंदा पकड़ा गया जिसे बाद में फांसी दी गई।

रतन टाटा को जैसे ही ताज होटल पर हमले की जानकारी मिली, वे आतंकियों की गोलीबारी की परवाह किए बिना तुरंत वहां पहुंच गए। होटल गोलियों की तड़तड़ाहट से थर्रा रहा था और उसी बीच वह वहां पहुंच गए। सिर्फ पहुंचे ही नहीं, 3 दिन और 3 रात तक वहां डटे रहे। उस वक्त होटल में स्टाफ के अलावा करीब 300 गेस्ट थे। उन्होंने ये सुनिश्चित करने की भरपूर कोशिश की कि सभी सुरक्षित रहे। मुंबई आतंकी हमले के बाद ताज होटल के पीड़ितों के लिए टाटा ने जो किया, वह सिर्फ वे ही कर सकते थे। सिर्फ ताज होटल पर हमले में मारे या घायल हुए पीड़ित ही नहीं, बल्कि कई दूसरे पीड़ितों और उनके परिजनों की मदद सुनिश्चित की। रतन टाटा होटल के 80 कर्मचारियों के परिवारों से व्यक्तिगत रूप से मिले जो या तो मारे गए थे या जख्मी हुए थे। ऐसे कर्मचारी जिनके परिजन मुंबई से बाहर रहते थे, उन्हें टाटा ने मुंबई बुलवाया और ध्यान रखा कि उनका मेंटल हेल्थ प्रभावित न हो। उन सभी को होटल प्रेसिडेंट में 3 हफ्तों तक ठहराया गया।

सिर्फ 20 दिनों के भीतर टाटा की तरफ से एक नया ट्रस्ट बनाया गया जिसका मकसद कर्मचारियों को राहत पहुंचाना था। रतन टाटा ने आतंकी हमले के पीड़ितों के 46 बच्चों की पढ़ाई-लिखाई की पूरी जिम्मेदारी ली। मारे गए हर कर्मचारी के परिवार को 36 लाख से लेकर 85 लाख रुपये तक का मुआवजा सुनिश्चित किया। इतना ही नहीं, मारे गए कर्मचारियों के परिवारों के एक-एक सदस्य को आजीवन हर महीने उतने पैसे देने की व्यवस्था की जितनी कि कर्मचारी की लास्ट सैलरी थी। सिर्फ ताज होटल के कर्मचारियों की नहीं बल्कि आतंकी हमले के पीड़ित रेलवे कर्मचारियों, पुलिस स्टाफ, वहां से गुजर रहे राहगीरों जैसे दूसरे लोगों को भी मुआवजा दिया।

स्पेशल ट्रेन में जांबाजों से हुआ भद्दा मजाक

देश का सबसे बड़ा केंद्रीय अर्धसैनिक बल 'सीआरपीएफ', जिसके जवानों की संख्या लगभग 3.25 तीन लाख है, वे विभिन्न प्रदेशों में चुनावी प्रक्रिया को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराते हैं। इस दौरान जवानों को कई तरह की दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खास बात यह है कि सीआरपीएफ जवान छोटी मोटी समस्याओं पर आसानी से बोलते भी नहीं हैं, लेकिन जब बात पेट की आती है तो उन्हें सामने आना पड़ता है। जवानों को जहां कहीं भी चुनावी ड्यूटी के लिए भेजा जाता है, वहां कई बार मूलभूत सुविधाएं तक मुहैया नहीं कराई जाती। ऐसे कई मामले देखने को मिले हैं। ताजा मामला, जम्मू कश्मीर के सांबा से चली स्पेशल ट्रेन 00328 का है। इसमें सीआरपीएफ की 10 कंपनियां, (लगभग 700 सौ जवान) सवार थीं। रायपुर जा रही गाड़ी में जवानों को 48 घंटे तक डिनर मुहैया नहीं कराया गया। जवानों ने केवल दो वक्त के ब्रेक फास्ट में ही काम चलाया। उनके साथ रेलवे की खानपान एजेंसी की तरफ से भद्दा मजाक किया गया। अगले स्टेशन पर मिलेगा खाना, ये कह कर उन्हें भूखे पेट यात्रा करने के लिए मजबूर किया जाता रहा। सीआरपीएफ जवानों को ला रही यह स्पेशन ट्रेन गुरुवार को दोपहर बाद रायपुर पहुंची है। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक, इस स्पेशल ट्रेन को सात अक्तूबर को सांबा से चलना था। किन्हीं कारणों से यह गाड़ी लेट हो गई। इसके बाद 8 अक्टूबर को सुबह तीन बजे ये गाड़ी रायपुर के लिए रवाना हुई। सांबा से चलने के बाद जवानों को अंबाला स्टेशन पर ब्रेकफास्ट मुहैया कराया गया। इसके बाद उन्हें पूरा दिन कुछ नहीं मिला। उन्हें बताया गया कि दिल्ली रेलवे स्टेशन पर लंच मिलेगा। गाड़ी शाम को आठ बजे पहुंची, ऐसे में लंच का समय तो निकल गया। दिल्ली में उन्हें जो खाना देने का प्रयास हुआ, उसकी क्वालिटी बहुत घटिया थी। जवानों के मुताबिक, वह खाना सुबह का बना हुआ था। ऐसे में जवानों ने खाना लेने से मना कर दिया।

पहले भी इस तरह के मामले आए हैं कि रेलवे एजेंसी के लोग ऐसी स्थिति में बल के अफसरों को बढ़िया खाना खिलाकर अपने पक्ष में करने का प्रयास करते हैं। उन्हें मिठाई आदि का भी लोभ लालच देते हैं। ये सब इसलिए किया जाता है कि यह मामला आगे न बढ़े। अफसर, अपने जवानों को डरा धमका कर शांत कर दें। ट्रेन में मौजूद सीआरपीएफ अधिकारियों के साथ भी यही सब करने का प्रयास हुआ। चूंकि यहां पर बात जवानों की थी तो अफसरों ने उन्हें दो टूक शब्दों में कह दिया कि जवानों को समय पर और बढ़िया क्वालिटी वाला खाना चाहिए। अगर वे ऐसा नहीं करते हैं तो मामले की शिकायत भी होगी। दिल्ली रेलवे स्टेशन पर संबंधित एजेंसी के कर्मचारियों से फ्रेश खाना मुहैया कराने का आग्रह किया गया। रेलवे की तरफ से जवाब दिया गया कि ये संभव नहीं है। हमने अपने उच्च अधिकारियों से बात कर ली है कि अब आपको आगरा में बढ़िया खाना मिलेगा। उन्होंने फोन नम्बर भी दिया। इसके बाद भूखे पेट ही जवान आगे चल पड़े। आगरा में खाना मुहैया कराने के लिए जिस व्यक्ति का फोन, सीआरपीएफ अफसरों को दिया गया था, वह फोन ही नहीं मिल सका। कई बार फोन ट्राई किया गया। 9 अक्तूबर को झांसी में ब्रेकफास्ट दिया गया। लंच और डिनर का अंदाजा लगा सकते हैं। तब तक सीआरपीएफ जवानों को भूखे पेट रहना पड़ा। इसके बाद रात को कटनी 'मध्यप्रदेश' में रात 12 बजे डिनर मिला। सूत्रों ने बताया कि इस मामले में जब भी रेलवे एजेंसी के किसी अधिकारी/ठेकेदार से बातचीत की जाती तो वे पल्ला झाड़ लेते। एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालने लगते। वे कहते कि आप आगे बात कर लें। ट्रेन लेट है, इसलिए अब तो खाना नहीं मिल पाएगा। अब कोई शेड्यूल नहीं है। रेल में लंच और डिनर तो शेड्यूल पर ही मिलता है। जवानों को अब अगले दिन की चिंता थी। जब डिनर दिया गया तो उन्होंने पैक लंच भी देने की बात कही। इसके लिए संबंधित एजेंसी ने जवानों को मना कर दिया। सूत्रों का कहना है कि इस तरह के मामलों में खुद का विभाग भी कोई खास कार्रवाई नहीं करता। जवानों के खाने से जुड़े मामले को टरकाने का प्रयास किया जाता है। सीआरपीएफ अधिकारियों ने इस मामले को अपने विभाग तक पहुंचाने का प्रयास किया था। अगर बल के कैडर अधिकारी इस तरह के मामलों की शिकायत करते हैं तो संबंधित फोर्स के शीर्ष अफसर उन्हीं के खिलाफ ही कार्रवाई कर देते हैं। पिछले दिनों सीआरपीएफ के पूर्व एडीजी एचआर सिंह ने जेएंडके में चुनावी ड्यूटी के लिए गई पुलिस/फोर्स के जवानों की परेशानी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर डाला था। उसमें जवान कह रहे हैं कि उन्हें एक ऐसी जगह पर ठहराया गया है, जहां बिजली तक की व्यवस्था नहीं है। पीने का पानी नहीं है। कुछ जवानों को खुले में ही बैठा दिया गया। जवानों का कहना था कि वे दो दिन से वर्दी तक नहीं बदल सके। बाथरूम तक नहीं हैं। वे खुले में रहने को मजबूर हैं। जवानों का कहना था कि हम बीमार हो रहे हैं। वीडियो में दिखाया गया है कि कई जवानों को एक ऐसा कमरा अलॉट कर दिया गया, जहां पर कबाड़ भरा था। वहां पंखा तक नहीं लगा था। एचआर सिंह का कहना था कि केंद्रीय गृह मंत्रालय और संबंधित फोर्स के अफसरों को ऐसे मामलों में त्वरित गति से संज्ञान लेना चाहिए। जवानों के साथ ये सलूक ठीक नहीं है। हरियाणा के रहने वाले सीआरपीएफ जवान प्रवीण कुमार की श्रीनगर में एक निमार्णाधीन लिफ्ट से गिरने के कारण मौत हो गई थी। वहां पर चुनावी ड्यूटी के लिए गए सीआरपीएफ जवानों को जिस बिल्डिंग में ठहराया गया था, वह भवन भी निमार्णाधीन था। वहां पर पर्याप्त रोशनी तक की व्यवस्था नहीं थी। पिछले माह चुनावी ड्यूटी पर जम्मू कश्मीर गए महाराष्ट्र के सीआरपीएफ जवान काकासाहब दादा पवने की भी इसी तरह मौत हो गई थी। वे श्रीनगर के हुमहमा इलाके में तैनात थे। वे चौथी मंजिल से गिर गए थे। जिस जगह पर जवानों को ठहराया गया था, वहां मूलभूत सुविधाओं का अभाव था। रात में पांव फिसलने के कारण वह नीचे गिर पड़ा। गम्भीर चोट आने से जवान की मौत हो गई।

इसी साल 26 मई को बिहार के जहानाबाद के जय मंगल बिगहा गांव की रहने वाली सीआरपीएफ जवान कविता कुमारी उत्तर प्रदेश में चुनावी ड्यूटी पर तैनात थी। वह जिस चौराहे पर तैनात थी, वहां पर उसे एक बाइक सवार ने टक्कर मार दी। गंभीर रूप से जख्मी हुई कविता का इलाज के दौरान निधन हो गया। 13 मई को बीरभूम जिले के अंतर्गत मुराई के दो नंबर ब्लॉक के पाइकर जाजीग्राम के बूथ नंबर 203 पर तैनात सीआरपीएफ जवान महेंद्र सिंह की तबीयत खराब हो गई। रामपुरहाट मेडिकल कालेज एवं अस्पताल में इलाज के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

तीन जून को सीआरपीएफ में पदस्थ बैतूल निवासी जवान मेजर केवलराम यादव का उड़ीसा में चुनाव ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक से निधन हो गया था। 19 अप्रैल को पश्चिम बंगाल के माथाभांगा में स्थित एक मतदान केंद्र के शौचालय में सीआरपीएफ का एक जवान मृत पाया गया। बाद में पता चला कि उस जवान का बाथरूम में पांव फिसल गया था। सिर व पेट में चोट लगने के कारण उसकी मौत हो गई। 21 अप्रैल को छत्तीसगढ़ के बस्तर इलाके में फरसपाल से चुनावी ड्यूटी देने के बाद वापस लौट रहे जवानों से भरी बस हादसे का शिकार हो गई थी। बस पलटने के कारण सीआरपीएक के 10 जवान घायल हो गए थे।

बता दें कि चुनावी ड्यूटी पर गए सुरक्षा बलों के लिए वाहनों का इंतजाम लोकल प्रशासन करता है। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीएपीएफ में चुनावी ड्यूटी के दौरान अव्यवस्था को लेकर अगर कोई कैडर अफसर बोलता है तो उस पर गाज गिरा दी जाती है। इस साल कई अफसरों को मुंह खोलना भारी पड़ा है।

कुछ दिन पहले असम में एसएसबी की गोसाइगांव स्थित 31वीं बटालियन के सेकेंड इन कमांड 2आईसी पराग चतुर्वेदी, जम्मू कश्मीर में चुनावी ड्यूटी पर जा रहे थे। एसएसबी अधिकारी और जवान, न्यूबंगाई गांव से उधमपुर जाने वाली इलेक्शन स्पेशल ट्रेन में सवार हुए थे। चतुर्वेदी को बतौर एडहॉक कमांडेंट, एडहॉक बटालियन का चार्ज सौंपा गया था। बीच रास्ते में चतुर्वेदी ने आईआरसीटीसी कर्मियों की क्लास लगा दी। उन्हें पता चला था कि एसएसबी जवानों को खाने की पर्याप्त मात्रा नहीं दी जा रही है। शॉर्ट सप्लाई का मामला तूल न पकड़े, रेल में तैनात स्टाफ, सेकेंड इन कमांड के लिए फ्रूट और मिठाई लेकर पहुंचा था। इस बात पर सेकेंड इन कमांड, पराग नाराज हो गए। सेकेंड इन कमांड पराग चतुर्वेदी को लगा था कि रेलवे इस मामले में त्वरित एक्शन लेगा, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हो सका। एसएसबी के गोवाहाटी स्थित फ्रंटियर हेडक्वार्टर से 26 अगस्त को पराग चतुर्वेदी को चुनावी ड्यूटी से वापस बुलाने का आदेश जारी हो गया। कुछ दिन बाद इस मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई हुई थी। उत्तर प्रदेश के कन्नौज में लोकसभा चुनाव के लिए सीआरपीएफ जवानों की तैनाती की गई थी। सीआरपीएफ ने जिस जगह पर अपना कैंप स्थापित किया, वहां रात को कन्नौज पुलिस का एसआई, बिना अनुमति के अंदर घुस आया था। उसने अपने व्यक्तिगत मोबाइल फोन से सीआरपीएफ कैंप की फोटोग्राफी की। जवानों एवं सिविल ड्राइवरों के साथ बुरा बर्ताव किया। सीआरपीएफ के कमान अधिकारी ने इस मामले को उठाया था। उन्होंने आला अफसरों को भेजी अपनी शिकायत में कहा था, भविष्य में कन्नौज पुलिस, बल के जवानों को झूठे आरोपों में फंसा सकती है। एडहॉक समवाय ग्रुप केंद्र नोएडा के कार्यालय कंपनी कमांडर द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी, कन्नौज को शिकायती पत्र भेजा गया था। इस शिकायती पत्र की प्रति पुलिस उप महानिरीक्षक, ग्रुप केंद्र सीआरपीएफ नोएडा, कमांडेंट एडहॉक 355 बटालियन सीआरपीएफ, पुलिस अधीक्षक कन्नौज और पुलिस कोतवाली, कन्नौज को भेजी गई। इसका नतीजा यह हुआ कि सीआरपीएफ अफसर राहुल सोलंकी को चुनावी ड्यूटी से वापस बुला लिया गया।

लोकसभा चुनाव के दौरान ही अपनी ड्यूटी को बेहतर तरीके से अंजाम देने वाले सशस्त्र सीमा बल एसएसबी के एक अधिकारी को बदइंतजामी की शिकायत करना भारी पड़ गया था। सशस्त्र सीमा बल एसएसबी की तदर्थ वाहिनी 722 के कमांड अधिकारी उप कमांडेंट रतीश कुमार पांडे ने बल के आईजी महेश कुमार, सीमान्त मुख्यालय लखनऊ को शिकायत भेजी थी। इसमें डिप्टी कमांडेंट ने चुनावी ड्यूटी के दौरान स्थानीय पुलिस प्रशासन की बदइंतजामी की शिकायत की थी।

दशहरे पर्व को भव्य रूप प्रदान करने व्यापारी संघ की टीम दुर्गा पंडालो पर जा जा जाकर आमंत्रित कर रही दुर्गा समितियां को चल समारोह के लिए

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ सतना, कोठी में दशहरे पर्व को भव्य रूप प्रदान करने के लिए कोठी व्यापारी संघ की टीम काफी मेहनत करने में लगी हुई है दशहरे पर्व पर चल समारोह को भव्यता दिए जाने के लिए कोठी के सभी दुर्गा पंडालो पर विराजित प्रतिमा स्थल पर पूरी टीम के साथ जा जाकर सभी को चल समारोह के लिए आमंत्रित कर रहे हैं पिछले कई वर्षों से कोठी में दशहरे का पर्व मनाया जाता आ रहा है जिसमें कोठी सहित आसपास के गांव की मूर्तियां चल समारोह में शामिल होती हैं यह चल समारोह कोठी के खेल मैदान से शुरू होता है सभी मूर्तियां पहले कोठी के खेल मैदान पर एकत्रित होती हैं फिर राम रावण युद्ध होता है और रावण मारा जाता है इसके बाद रावण का पुतला दहन होता है फिर दुर्गा प्रतिमा की झांकियों द्वारा चल समारोह शुरू होता है जो कोठी बस स्टैंड होते हुए संपूर्ण नगर में निकाला जाता है इसके बाद झांकियां विसर्जित की जाती है परंतु पिछले कुछ वर्षों से चल समारोह में झांकियां नहीं पहुंच रही थी पूर्व काल में कुछ विवाद के चलते कोठी नगर की प्रतिमा चल समारोह में शामिल नहीं हो रही थी जिससे दशहरे के पर्व में उत्साह में कमी रह जाती थी जबकि व्यापारी संघ की टीम द्वारा संपूर्ण व्यवस्थाएं बनाई जाती थी नगर का प्रशासन इसमें सहयोग प्रदान करता है फिर से उत्साह पूर्वक हर्षोल्लास के साथ दशहरे पर्व को मनाए जाने को लेकर कोठी व्यापारी संघ की टीम द्वारा आज कोठी के सभी दुर्गा प्रतिमा स्थल पर जाकर सघन संपर्क किया गया और सभी को चल समारोह के आयोजन में समारोह पूर्वक शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया जिसमे व्यापारी संघ के अध्यक्ष राम जी गुप्ता पूर्व अध्यक्ष राकेश सिंह बबलू पूर्व अध्यक्ष उमेश सिंह पप्पू कोषाध्यक्ष तीरथ प्रसाद गुप्ता उपाध्यक्ष संतोष चतुर्वेदी सचिव जय भान सिंह लल्ला पांडे भैया जी उरमलिया अनिल गुप्ता सहित अन्य व्यापारी जन मौजूद रहे क्योंकि कोठी में दशहरा पर्व को भव्य रूप से मनाया जाता है यह एक प्राचीन कालीन परंपरा है.

अव्यवस्था फैला रही ट्राफिक पुलिस

नवरात्रि मेले में बाहरी वाहनों को लेकर असमंजस

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ। मैहर, एक तरफ जिले के एसपी एडिशनल एसपी सीएसपी मां शारदा धाम आने वाले भक्तो की सेवा में 9 दिन बिना अपनी भूख प्यास की चिंता किए सेवा में लगे है वही दूसरी तरफ मैहर ट्राफिक पुलिस हटकर अलग संदेश देना चाहती है,मैहर में चल रहे नवरात्रि मेले के दौरान शहर में आने वाले बाहरी सवारी वाहनों की चेकिंग जीतनगर पेट्रोल पंप के पास कर पुलिस अव्यवस्था फैलती दिख रही है। सूत्रों के अनुसार,प्राइवेट और शासकीय स्तर पर चालान किया जा रहा है, जबकि लोकल नंबर के वाहनों को बिना किसी रोक-टोक के छोड़ा जा रहा है। यह कदम जहां एक तरफ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हो सकता है, वहीं दूसरी ओर बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के बीच नाराजगी भी बढ़ रही है जो सिर्फ मौखिक रूप से सामने आई है।नगर के चारों ओर सुरक्षा की दृष्टि से नवरात्रि मेला के पहले कई पुलिस नाके बनाए गए हैं, जहां हर आने-जाने वाले वाहन की गहनता से जांच की जा सकती है। उसके बाद मैहर ट्राफिक पुलिस द्वारा बाहर से आए श्रद्धालुओं की गाड़ी रुकवा विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जिससे शहर में बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।मां शारदा धाम आने वाले भक्तो का मौखिक आरोप है कि ट्राफिक पुलिस द्वारा लोकल वाहनों को छोड़कर केवल बाहरी वाहनों पर कार्रवाई की जा रही है, जिससे असमानता और पक्षपात का माहौल बन रहा है। इस व्यवस्था से कई वाहन चालकों में नाराजगी है और उनका कहना है कि नवरात्रि जैसे महत्वपूर्ण अवसर पर ऐसे कदम श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का सबब बन रहे हैं!वही ऐसे कदम प्रशासन सुरक्षा के मद्देनज़र उठाता है, या अन्य कोई मामला है जो पुलिस नाके होने के बाद भी नगर के बाहर वाहनों को स्टेट हाइवे में रोक जॉच के नाम पर जाम की स्थिति बनाई जा रही है,और मां शारदा धाम से दर्शन कर लौटने वाले वाहनों को रोका जा रहा है जिससे कई सवाल खड़े हो रहे है जब श्रद्धालु दर्शन करके लौट रहे है इस बीच नगर सुरक्षा या सड़क सुरक्षा को लेकर पुलिस बाहरी वाहनों को रुकवा रही है!आगामी दिनों में अगर यह व्यवस्था नहीं सुधरी, तो मेला आने वाले श्रद्धालुओं की सख्या दिन प्रतिदिन कम होती जायेगी जिसमे ट्राफिक पुलिस का योगदान होना कहा जा सकता है,कई हिंदू संगठनों के प्रमुखों का कहना है ट्राफिक पुलिस सड़क सुरक्षा को लेकर कदम उठा रही है उठाए, लेकिन नवरात्रि के दिनो कार्यवाही की जगह जागरूकता की पहल करे तो वो प्रशंसनीय होंगा,श्रद्धालुओ को नवरात्रि के दिनो परेशान करना उचित नहीं है वरिष्ठ अधिकारी ऐसे मामलो पर पुलिस समाज के लोगो की मित्र है ऐसी पहल करे ताकि मैहर पुलिस का संदेश देश के कोने कोने तक पहुंचे।

एस जी एफ आई में स्वर्ण और रजत पदक जीत शहर का गौरव बढ़ाया

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ।
सतना, अकेडमिक हाइट्स पब्लिक स्कूल के छात्रों ने 68 वीं एस जी एफ आई ताइक्कांडो राज्य स्तरीय चैंपियनशिप अदभुत प्रदर्शन कर विद्यालय के साथ साथ जिले का मान बढ़ाया , इस प्रतियोगिता में गोल्डन गर्ल अस्मी भारती ने गोल्ड, ईशा सोनी, कृष्ण कुशवाहा, प्रांशी कुशवाहा ने रजत पदक जीते। छात्रों की इस कड़ी मेहनत और सफलता के पीछे उनके कोच संदीप भारती का मार्गदर्शन प्रमुख रूप से प्राप्त रहा। खिलाड़ियों की इस सफलता पर संस्था के चेयरमैन शम्मी पुरी, डायरेक्टर शाश्वत पुरी, मैनेजमेंट हेड डॉ हिमानी सिंह, प्राचार्या रश्मि श्रीवास्तव, उप प्राचार्या सोनिया ओबेरॉय सहित विद्यालय परिवार ने शुभकामनाएं प्रेषित की है।

रामना टोला में विराजित होई जगतजननी

उमेश कुशवाहा। सिटी चीफ सतना, इन दिनों नवदुर्गा उत्सव पर्व की सभी जगह धूम चल रही है शहर से लेकर गांव गांव तक लोगबाग बड़े ही धूमधाम से नवदुर्गा उत्सव पर्व को मना रहे हैं, सतना शहर के कोतवाली अंतर्गत रामना टोला मे भक्तों ने बड़े हर्षोल्लास के साथ विराजित किए माँ जगतजननी जगदम्बा दुर्गा की प्रतिमा,नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा मां दुर्गा की प्रतिमा स्थल पर तरह-तरह के आयोजन किये जा रहे हैं सुबह से ही बच्चों सहित महिलाओं की टीम पूजा पाठ के साथ भजन कीर्तन करती रहती है ,एवं नियमित रूप से शाम को संध्या आरती के उपरांत गायन वादन का आयोजन किया जाता है,जिसमें मोहल्ले के महिलाएं बच्चे एवं पुरुष सभी लोग शामिल होते हैं,आज अष्टमी के उपलक्ष्य मे हुई महाआरती, जिसमे मुख्यरुप से सुमित गजरानी, विवेक वर्मा, सचिन गुप्ता, रविकछवाह, आशीष साहू सहित भक्तों ने दुर्गा पूजा समिति के तहत विराजी माता रानी की प्रतिमा।

दिवाली और नवरात्रि से पहले सफाई कर्मचारियों की छंटनी से शहर में मची अव्यवस्था

कांग्रेस ने करा धरना प्रदर्शन, नगर निगम आयुक्त ने दिए पुनर्नियुक्ति के आदेश

दिवाली और नवरात्रि पर्व के ठीक पहले नगर निगम के सैकड़ों सफाई कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिए जाने पर पूरे शहर की सफाई व्यवस्था चौपट हो चुकी है सभी वार्डों में जगह जगह गंदगी का अंबार लगा हुआ है और नौकरी से निकाले गए सैकड़ों आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों के परिवार के समक्ष रोजी रोटी का संकट भी पैदा हो गया है कांग्रेस पार्षद दल ने वरिष्ठ पार्षद मिथलेश जैन एडवोकेट के नेतृत्व में निकाले गए सैकड़ों आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों, सफाई यूनियन के नेताओं और कांग्रेस पार्षदों के साथ नगर निगम पहुंचकर निगम प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी आक्रोशित सफाई कर्मचारियों के साथ समस्त कांग्रेसजन, सफाई यूनियन के नेता आयुक्त कक्ष के समक्ष धरना प्रदर्शन करने लगे. वरिष्ठ पार्षद मिथलेश जैन एडवोकेट ने कहा कि ठीक त्यौहार के पहले सैकड़ों सफाई कर्मचारियों को नौकरी से हटाने से उनके परिवार के समक्ष रोजी रोटी का संकट पैदा होने के साथ साथ शहर में सफाई व्यवस्था भी प्रभावित हो रही है, उन्होंने कहा कि आज निकाले गए सफाई कर्मचारियों को नौकरी में वापस नहीं गया तो हम सभी धरने पर बैठे रहेंगे। पूर्व पार्षद मनोज गुप्ता एडवोकेट ने कहा कि पूर्व में अनेकों बार सत्यापन कराए जाने के बाद भी सफाई कर्मचारियों को हटाया जा रहा है जिसे लेकर हम सभी कांग्रेस जन प्रदर्शन कर रहे हैं सफाई यूनियन के अध्यक्ष ओमप्रकाश सत्तेल ने कहा कि सिर्फ सफाई कर्मचारियों को नौकरी से निकालकर एक वर्ग विशेष के साथ नगर निगम द्वारा अत्याचार किया जा रहा है धरना प्रदर्शन और नारेबाजी के बीच आयुक्त जनप्रतिनिधियों और सफाई कर्मचारियों से बात करने पहुंचे और उन्होंने जनप्रतिनिधियों से बैठक करने की बात कही लेकिन वरिष्ठ पार्षद मिथलेश जैन एडवोकेट ने कहा कि आज किसी प्रकार के आश्वासन पर बात नहीं होगी, आज यदि निर्णय नहीं हुआ तो यह धरना प्रदर्शन जारी रहेगा उन्होंने कहा कि नगर निगम के पास बजट की कमी है तो हम सभी पार्षदों का मानदेय रोक लिया जाए लेकिन सफाई कर्मचारियों को नौकरी से ना निकाला जाए मिथलेश जैन एडवोकेट उपायुक्त पवन अहिरवार से बोलते हुए रोने लगे और कहां कि जब तक सफाई कर्मचारियों के आंखों के आंसू बहेंगे जब तक हम मानने वाले नहीं हैं कांग्रेस नेताओं की मांग पर विचार करते हुए नगर निगम आयुक्त ने विचार करते हुए सफाई कर्मचारियों के सामने आकर कहा कि जो भी आउटसोर्स सफाई कर्मचारियों ने पूर्व में सत्यापन करवा लिया है उन्हें कल से नौकरी पर रख लिया जाएगा और जो वास्तविक कर्मचारी किन्हीं कारणवश सत्यापन से चूक गए हैं उन्हें भी 30 अक्टूबर के पूर्व सत्यापन करवाकर नौकरी पर लिया जाएगा आयुक्त के दिए गए निर्णय से सफाई कर्मचारियों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी खुशी व्यक्त करने के लिए सभी आउटसोर्स कर्मचारियों ने वरिष्ठ पार्षद मिथलेश जैन एडवोकेट, पूर्व पार्षद मनोज गुप्ता एडवोकेट, सफाई यूनियन अध्यक्ष ओमप्रकाश सक्त्तेल, महामंत्री उमेश सोनखरे, जिला कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष पंकज गौतम, पूर्व पार्षद कमलेश चौधरी, आफताब अहमद, विनीत जायसवाल, पूर्व पार्षद इश्तियाक अहमद, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष रमेश सोनी का फूल मालाओं से स्वागत कर आभार व्यक्त किया है.

हम सब कि जिम्मेदारी है कि, हमें समाज को अपराध से मुक्त करना है -हेमंत नायक

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं अपराध नियंत्रण के पदाधिकारियों को थाना प्रभारी ने दिये न्युक्ति पत्र

लाकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ लालबर्रा, राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण ब्यूरो बालाघाट के लालबर्रा तहसील में दिनांक 10.10.2024 दिन गुरुवार को थाना परिसर लालबर्रा में ब्यूरो के प्रदेश अध्यक्ष श्री प्रेम नारायण आर्य जी के मार्गदर्शन व ज़िला अध्यक्ष चयंक चैतगुरू, जिला उपाध्यक्ष आयुष फबवानी, एवं लालबर्रा ब्लॉक अध्यक्ष नितिन भारद्वाज, उपाध्यक्ष सपन खोबरागड़े, उपा.जितेंद्र भौरे, सचिव स्वाति ब्रम्हें, वारासिवनी उपाध्यक्ष देवेंद्र यादव, मीडिया ऑफिसर चंद्रकांत चंद्रावार, बिहारीलाल जी पटले, बसंत मसखरे, अंकित एयपुड़े, राजेश ब्रम्हें एवं ब्यूरो के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे जिसमे जिला अध्यक्ष चयंक चैतगुरू एवं उनकी समस्त टीम द्वारा थाना प्रभारी श्री हेमंत नायक जी का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया गया साथ ही उपस्थित,थाना उप निरीक्षक शशांक राणा,उप निरीक्षक वैशाली उइके एवं थाना समस्त पदाधिकारी का स्वागत संस्था के पदाधिकारीयों द्वारा क्रमबद्ध रूप से किया गया।

वहीं कार्यक्रम दौरान थाना प्रभारी श्री हेमंत नायक द्वारा पुलिस प्रशासन से जुड़ी कानून व्यवस्था एवं मानव अधिकार से जुड़े अधिकार,महिलाओ से जुड़े अपराध,साइबर क्राइम चोरी डकैती,घरेलू हिंसा एवं अपराधित श्रेणियां में आने वाले सभी प्रकार के अपराध पर चर्चा करी गई साथ ही मानव अधिकार अपराध नियंत्रण ब्यूरो से सभी पदाधिकारी की थाना प्रभारी श्री हेमहत नायक द्वारा(ह।ऋष्टष्टक्च) से जारी नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया एवं श्री नायक द्वारा ब्यूरो के समस्त पदाधिकारी को बेहतर कार्य के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कर उज्जवल भविष्य की कामना की गई व अपनी बातें रखते हुए उन्होंने कहा कि बहुत सारी चीज़ें ऐसी होती है समाज में हम जिनके बारे में हम बात नहीं कर पाते हैं और बच्चे भी बात नहीं कर पाते हमारी ड्यूटी है अगर आप इस तरह के संगठन से जुड़े हैं तो वास्तव में आपकी नीयत समाज के लिए सही काम करने के लिए है तो कोशिश हमें यह करनी है कि जो मानव अधिकार शब्द लिखा हुआ है मानव अधिकार के बारे में हम चिंतित हो और उसके बारे में बात करें अगर हमें लगता है कि वास्तव में किसी के अधिकारों का हनन हो रहा है और शिक्षा का अधिकार सभी को है और कोई बच्चा है या फिर बच्ची स्कूल नहीं जा पा रही है हम अपने तरफ से जो कर सकते हैं हमारे आर्गेनाइजेशन के तरफ से कर सकते हैं वह आपको करना चाहिए और हम उम्मीद भी करते हैं कि आप लोग यह सब करेंगे दूसरी बात अपराध नियंत्रण लिखा हुआ है हम सब की ड्यूटी है हम सब की जिम्मेदारी है कि हमें समाज को अपराध से मुक्त करना है अब इसके दो तरीके होते हैं एक तो यह होता है कि हम लोगों को समझा सकते हैं दूसरा यह हो सकता है हम दो सौ लोगों को रोड़ पर खड़े हो सकते हैं मुझे लगता है कि पहले समाज को समझाने का प्रयास करें जब समाज नहीं समझेगा नहीं मानेंगे बहुत सारी एजेंसी है जब लोग नहीं मानेंगे हम उनको कन्वेंस करने के लिए हर तरफ से काम करते रहेंगे सहित अन्य और भी बातें थाना प्रभारी द्वारा कही गई है जिसका सभी लोगों ने समर्थन किया है।

कंजई घाटी में विराजित मां बंजारी मंदिर में युवाओं द्वारा किया गया महाप्रसाद वितरण

लाकेश पंचेश्वर। सिटी चीफ। लालबर्रा, शारदेय नवरात्रि के पावन अवसर पर लालबर्रा क्षेत्र में दुर्गा मंदिरों के साथ साथ सार्वजनिक पूजा पंडालों में मां शेरावाली की पूजा-अर्चना के साथ ही विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं तथा साथ ही देवी जागरण,भंडारा एवं महाप्रसाद वितरण भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में मंगलवार 08 अगस्त को दुर्गा षष्टी के दिवस बालाघाट-सिवनी सीमा पर राज्यमार्ग में स्थित ग्राम कंजई घाटी में विराजित मां बंजारी मंदिर में युवाओं द्वारा विधिविधान से माता का पूजन अर्चन कर शाम 4.00 बजे से महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों श्रद्धालु भक्तों एवं राज्यमार्ग से गुजरने वाले लोगों एवं वाहन चालकों ने महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्यलाभ अर्जित किया तथा मातारानी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। मान्यता हैं कि घाटी में स्थित जगत जननी माता दुर्गा को समर्पित इस मां बंजारी मंदिर में हवन-यज्ञ व भंडारे के आयोजन से प्राकृतिक आपदाओं, संक्रामक बीमारियों,दैवीय प्रकोप एवं अन्य दोषों से छुटकारा मिलता हैं। इस धार्मिक महाप्रसाद वितरण कार्यक्रम के आयोजन में क्षेत्र के युवाओं रविकिरण सोनी,चैतन्य सोनी,चंद्रकिरण सोनी,मनीष सोनी,रूपल घुले,पंकज कुर्वे,उमेश भलावी,मनेश मड़ावी एवं अन्य का विशेष योगदान रहा

रेत खदानों के समर्थन में ग्रामीणों ने करा प्रदर्शन

झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सुनील यादव। सिटी चीफ। कटनी, कटनी जिले के बड़वारा थाना क्षेत्र में संचालित रेत खदानों से मिलने वाले ग्रामीणों को रोजगार के चलाते आज काई ग्रामीण तहसीलदार कार्यालय पहुंच एक लिखित आवेदन दिया है की उनके इलाके में रेत खदान के चलाते कई ग्रामीणों को रोजगार मिल रहा है और काई ग्रामीण समस्या का निराकरण भी रेत कंपनी के लोगो द्वारा कर दिया जाता है। लेकिन कुछ लोगो द्वारा जबरन रेत कंपनी के लोगो पर छूटा आरोप लगा नेता गिरी कराई जा रही।

बड़वारा के अलग-अलग गांव से बड़ी संख्या में आए ग्रामीणों ने विरोध जताया कि आसामाजिक तत्वों द्वारा ग्राम के भोले भाले ग्राम वासियों को रेत कंपनी के खिलाफ जनता को गुमराह करना। यहां तक उनको झूठा आश्वासन देकर कंपनी के खिलाफ ज्ञापन दिलवाना जिससे परेशान होकर ग्राम वासियों ने आज बड़वारा पहुंचकर बड़वारा थाना प्रभारी एवं बड़वारा तहसीलदार को ज्ञापन दिया जिसमें उनकी नाराजगी थी कि कंपनी द्वारा हमारे सुख-दुख, रोजगार,धार्मिक कार्य, शादियों में सहयोग करना, स्कूलों में किताबें देना, गांव में नया ट्रांसफार्मर लगवाना एवं आनेको काम कंपनी द्वारा कराए गए। मगर कुछ आसामाजिक तत्वों द्वारा ग्राम वासियों को पैसे का लालच एवं बहला फुसलाकर उनका गलत इस्तेमाल किया गया उसी के विषय में आज बड़वारा तहसीलदार संदीप सिंह एवं बड़वारा थाना प्रभारी किशोर द्विवेदी को अलग-अलग गांव से आए दर्जनों ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए कार्रवाई की मांग की।

शाकंभरी देवी सिद्धपीठ पर चल रहे शारदीय नवरात्र मेले का एडीजी जोन ने किया निरीक्षण

एडीजी ने कंट्रोल रूम से लेकर मेला परिसर में भ्रमण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर (शांकभरी)। श्री शाकंभरी देवी सिद्धपीठ पर चल रहे शारदीय नवरात्र मेले का एडीजी जोन ध्रुवकांत ठाकुर ने निरीक्षण किया। एडीजी जोन ध्रुवकांत ठाकुर ने कंट्रोल रूम से लेकर मेला परिसर में भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कहा कि श्रद्धालुओं की सुविधा और भावनाओं का ध्यान रखते हुए उनको किसी भी तरह की परेशानी न होने दी जाए। एडीजी माता श्री शाकंभरी देवी मंदिर पहुंचे,जहां पर सिद्धपीठ व्यवस्थापक राणा आदित्य प्रताप सिंह ने उनका माल्यार्पण कर माता की चुनरी से स्वागत किया। उसके बाद उन्होंने जगत जननी माता की विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद दर्शन के बाद सिद्धपीठ व्यवस्थापक के साथ बातचीत भी की। यहां से एडीजी मेला कोतवाली पहुंचे और मेले में पुलिस की ड्यूटी एवम अन्य जानकारी की। ड्यूटी रजिस्टर भी चेक किया। उन्होंने मिशन शक्ति केंद्र पर महिला आरक्षियों से महिला श्रद्धालुओं को मिशन शक्ति की जानकारी देने के बारे में भी पूछा। उन्होंने प्रवेश एवम निकास द्वार पर लगे सीसीटीवी कैमरे भी चेक किए। यहां से एडीजी डीआईजी, एसएसपी एवं पुलिस अधिकारियों के साथ पैदल ही मेला परिक्षेत्र में सिद्धपीठ से भूरादेव तक पैदल ही भ्रमण पर निकल गए। एडीजी मेले में सुरक्षा व्यवस्थाओं को लेकर संतुष्ट नजर आए। इस अवसर पर डीआईजी अजय साहनी, एसएसपी रोहित सजवान, एसपी देहात सागर जैन, सीओ अजितेश सिंह, कोतवाली प्रभारी बीनू चौधरी, मेला कोतवाली प्रभारी अविनाश गौतम, शांकभरी चौकी इंचार्ज गजेंद्र सिंह भी उपस्थित रहे।

मेपल्स एकेडमी देवबंद में दशहरा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

अंतर्मन में छिपे अवगुणों को मिटाने का पर्व है दशहरा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
देवबंद (सहारनपुर)। मेपल्स एकेडमी देवबंद के प्रांगण में दशहरा उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बताया गया कि दशहरा अंतर्मन में छिपे अवगुणों को मिटाने का पर्व है। इस अवसर पर विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच इंटर हाउस भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने आज के परिवेश में रावण रूपी मनोदशा को अपने विचारों द्वारा व्यक्त किया। कक्षा 2 की वान्या सक्सेना द्वारा अपनी मधुर वाणी में रामायण कथा का गायन किया। इसी दौरान कक्षा 3 से 5 तक की विद्यार्थियों ने एक लघु नृत्य नाटिका के माध्यम से श्रीराम, सीता जी, लक्ष्मण जी, हनुमान जी एवं रावण आदि के पात्रों को चरितार्थ किया। जो सराहनीय था। इसी क्रम में कुछ छात्राओं ने डांडिया नृत्य कर अपनी कला का प्रदर्शन किया। दशहरे के अवसर पर रावण दहन का आयोजन भी किया गया। रावण दहन अर्थात बुराई पर अच्छाई की जीत। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या डा0 चित्रा जोशी ने दशहरे पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को दुर्गा अष्टमी, नवमी एवं दशहरा उत्सव की बधाई दी। इस अवसर पर समस्त स्टाफ मौजूद रहा

देश के प्रमुख उद्योगपति रतन टाटा के निधन पर देवबंद में शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
देवबंद (सहारनपुर). देश के प्रमुख उद्योगपति, टाटा संस के मानद चेयरमैन और प्रमुख दानवीर, पद्म विभूषण रतन टाटा का मुंबई के एक अस्पताल में 86 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र सिंघल ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रतन टाटा ने अपने जीवन में न केवल व्यवसायिक सफलता हासिल की, बल्कि उन्होंने समाज के विकास और कल्याण के लिए भी कई महत्वपूर्ण कार्य किए। श्री सिंघल ने कहा कि रतन टाटा का योगदान औद्योगिक और आर्थिक विकास में अद्वितीय था। उन्होंने टाटा समूह को वैश्विक स्तर पर एक मजबूत पहचान दिलाई। उनकी प्रेरणादायक नेतृत्व शैली और मानवता के प्रति समर्पण ने उन्हें केवल एक उद्योगपति नहीं, बल्कि प्रेरणा का श्रोत बना दिया। रतन टाटा के निधन से देश के उद्योग क्षेत्र को एक अपूरणीय क्षति हुई है। के एल जनता इंटर कॉलेज के प्रबंधक दीपक राज सिंघल ने रतन टाटा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि रतन टाटा सच्चे अर्थों में भारत रत्न थे। रतन टाटा के निधन पर के एल जनता इंटर कॉलेज के समस्त शिक्षकों एवं बच्चों ने दो मिनट का मौन रखकर उनको श्रद्धांजलि अर्पित की। रतन टाटा को मानव कल्याण मंच देवबंद के संस्थापक अरुण अग्रवाल, वरिष्ठ पत्रकार गौरव सिंघल, अनुपम वशिष्ठ एडवोकेट, अमित सिंघल एडवोकेट, वरिष्ठ पत्रकार अशोक गुप्ता, प्रमुख कपडा व्यापारी अमित जैन और शशांक जैन, राजू सैनी, पंकज अग्रवाल, अजय गर्ग, पंकज गुप्ता, लोकेश वत्स एडवोकेट, शिक्षक मोहित आनंद, वरूण कुमार, विपुल जैन, अंकित वर्मा, राजकिशोर सिंघल, अनुराग सिंघल, अरूण गुप्ता, रितेश बंसल, जोगेंद्र जाटव, विशाल गर्ग, गजराज सिंह राणा, बिजेंद्र गुप्ता, अमित तायल, विकास चौधरी, राजेश अनेजा, लक्की वर्मा, विकास त्यागी, प्रवीन गोयल, आलोक खटीक, विपिन भारतीय, देवीदयाल शर्मा एडवोकेट आदि ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की है।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर.के. सोनी ने चाट सेन्टरो में दी दबिश

श्याम डेयरी से पनीर व दही के लिए नमूने

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनूपपुर, मिलावट से मुक्ति अभियान के तहत कलेक्टर हर्षल पंचोली के निर्देश पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के रवि चाट सेन्टर, शैलेन्द्र साहू चाट सेन्टर, राहुल चाट सेन्टर, राकेश चाट सेन्टर, विष्णु चाट सेन्टर का औचक निरीक्षण खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर.के. सोनी तथा नगरपालिका अनूपपुर के स्वच्छता निरीक्षक डी.एन. मिश्रा द्वारा किया गया। चाट सेन्टर के संचालकों को अधिकारियों ने अमानक खाद्य पदार्थों का उपयोग नही करने, अखाद्य कलर का उपयोग न करने, स्वच्छता का पालन करने तथा खाद्य सामग्रियों में गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री का उपयोग करने के संबंध में समझाईश दी गई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने चाट दुकान संचालकों को निर्देशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा है। भ्रमण के दौरान अनूपपुर नगर में स्थित श्याम डेयरी का भी निरीक्षण खाद्य सुरक्षा अधिकारी द्वारा किया गया। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ए.के. अवधिया भी उपस्थित थे। श्याम डेयरी के निरीक्षण के दौरान पनीर एवं दही के नमूने संग्रहित किए गए। इस दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने खाद्य पदार्थों के गुणवत्ता के संबंध में संचालक को आवश्यक निर्देश दिए।

जिला बदर आदतन अपराधी संतोष पटेल कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, पुलिस अधीक्षक अनूपपुर श्री मोती उर रहमान के निर्देशन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को शान्ति पूर्ण मनाये जाने हेतु लगातार असामाजिक तत्वो एवं आदतन अपराधियो की चेकिंग कर सख्त कार्यवाही की जा रही है। बुधवार की रात्रि आदतन अपराधियो की चेकिंग के दौरान टी.आई. कोतवाली अरविन्द जैन, प्रधान आरक्षक शेख रसीद एवं महेन्द्र राठौर के द्वारा जिला बदर आदतन आरोपी संतोष पटेल पिता रामकुमार पटेल उम्र करीब 30 साल निवासी वार्ड न. 09 अनूपपुर को शंकर मंदिर तिराहा के पास जिला बदर आदेश का उल्लंघन कर बिना अनुमति नगर में घूमते पाये जाने पर पकड़ा जाकर थाना कोतवाली अनूपपुर में अपराध क्रमांक 446/24 धारा 223 बी.एन.एस. एवं धारा 14 म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम में अपराध पंजीबद्ध किया जाकर गिरफ्तार किया गया है।
उल्लेखनीय है कि जिला बदर आरोपी संतोष पटेल निवासी अनूपपुर के विरूद्ध बलात्कार, महिला से अश्लील छेड़खानी, मारपीट, अड़ीबाजी, वसूली एवं आर्म्स एक्ट के आधा दर्जन आपराधिक प्रकरण थाना कोतवाली अनूपपुर में दर्ज है एवं माननीय न्यायालय में विचाराधीन है जो माननीय न्यायालय कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जिला अनूपपुर द्वारा प्रकरण क्र. 30/ जिला बदर /2022 में दिनांक 13 अक्टूबर 2023 को संतोष पटेल निवासी अनूपपुर को म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3.1 धारा - 5 की कंडिका (क), (ख) तथा सहपठित धारा 7 के अंतर्गत जिला अनूपपुर की चतुर्दिक राजस्व सीमा तथा सीमा से लगे हुए म.प्र. राज्य के जिला शहडोल, उमरिया एवं डिण्डौरी चुतर्दिक राजस्व सीमाओ से एक वर्ष के कालावधि के लिए निष्कासित करने का आदेश जारी किया गया है। जो उक्त आदेश का उल्लंघन करते पाये जाने पर आरोपी संतोष पटेल को कोतवाली पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया है।

नव दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नंबर 10 रजहा मोहल्ला में धूम धाम से मनाया जा रहा नवरात्रि पर्व

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, अनुपपुर जगह जगह मातारानी की मूर्ति स्थापित कर पूजन अर्चन किया जरा रहा है जैसे नव दुर्गा उत्सव समिति वार्ड नंबर 10 राजहा मोहल्ला जिसके समिति सदस्य शंकर दयाल पटेल, जानकी प्रसाद राठौर खेलावन पटेल, छोटू राठौर विजय राठौर पुरसोतम पटेल सुनील राव यादवेंद्र पटेल,राजेश पटेल विनय कांत प्रजापति, चेतराम संजय राजू राकेश कहार अजय राठौर निर्भय शर्मा दिनेश दीपक छत्रपाल राठौर रमाशंकर राधेश्याम पटेल इन समिति सदस्यों द्वारा मातारानी का पूजन अर्चन कर प्रतिदिन भंडारे प्रसाद का वितरण किया जाता रहा है एवम कल नवमी तिथि पर विशेष प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजा किया जायेगा ।। इसी कड़ी में नव चेतना समिति इंदिरा चौक पर भी प्रतिदिन पूजन अर्चन एवम भंडारा प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, इसके अलावा भी अनुपपुर शहर में जगह जगह देवी मां इस्थापित की गई है और पूजन अर्चन कर भंडारा प्रसाद वितरण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है ।। अनुपपुर शहर की कुछ झाकियां बहुत ही मनमोहक है जो अनुपपुर वासियों के साथ साथ बाहरी भक्तो को काफी पसंद आ रही है।

स्कूल शिक्षक सत्यनारण मौर्य श्रीमती रानी एवं शांतनु मौर्य द्वारा किया गया भंडारे का आयोजन

यशपाल सिंह जाट । सिटी चीफ ।
अनुपपुर, अनुपपुर में नवरात्रि महोत्सव पर्व में आज आष्टामि पूजन अर्चन के पश्चात वार्ड नंबर 09 में गुलाब पटेल कॉम्प्लेक्स के पास शांतनु मौर्य रानी मौर्य एवं शासकीय शिक्षक सतनारायण मौर्य ने विशाल भंडारे का आयोजन किया जिसमें कई माता जी के भक्त जनों ने पूड़ी सब्जी हलवा का महा प्रसाद प्राप्त किया ।
सतनारायण मौर्य जी ने कई गरीबों को भी भर पेट भोजन करवाया एवं उन्हें कपड़े एवं पैसों का दान किया ।
सतनारायण जी ने बताया की भंडारा आयोजित करना एवम गरीबों को दान करने की प्रेणना उन्हें उनकी माता जी से प्राप्त हुई ओर उन्ही के आशीर्वाद से आज हमारे परिवार ने ये भंडारा प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया ।। सतनारायण मौर्य जी ने पूरे अनुपपुर रहवासियों को नवरात्रि महोत्सव पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दी एवम माता जी का जयकारा लगाया ।।जय माता दी ।।

पशुपालन केसीसी बनाने के कार्य में एक सप्ताह में प्रगति लाए-कलेक्टर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, डेयरी एवं पशुपालन के लिए किसानों को क्रेडिट कार्ड वितरण के कार्य में एक सप्ताह में प्रगति लाए। उक्त निर्देश कलेक्टर ऋजु बाफना ने गुरुवार को पशुपालन, कृषि, उद्यानिकी, सहकारिता एवं मत्स्य पालन विभागों के कार्यों की समीक्षा के दौरान दिए। कलेक्टर ने पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा में कहा कि केसीसी के प्रकरण बैंकों में प्रस्तुत करें और प्रतिदिन इसकी समीक्षा भी करें। कलेक्टर ने पशुओं के टीकाकरण कार्य की सतत् समीक्षा करने के निर्देश भी उपसंचालक को दिए। वहीं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के कार्य की समीक्षा में भूमि उपयोग वर्गीकरण, खरीफ एवं रबी क्षेत्राच्छादन एवं उत्पादकता, बीज व्यवस्था, उर्वरक व्यवस्था, नैनो यूनिया एवं नैनो डीएपी का उपयोग, स्वाईल मेप अनुसार सूक्ष्म पोषक तत्वों की जानकारी, 10 वर्षों के अंदर नोटिफाईड बीज किस्मों का उपयोग, नवीन तकनीकी का उपयोग, नरवाई प्रबंधन सहित विभागीय योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा की गई। इसी तरह उद्यानिकी विभाग की समीक्षा में प्रमुख उद्यानिकी फसलों के रकबे एवं उत्पादन, बीज की आवश्यकता एवं उपलब्धता, उद्यानिकी फसलों का विपणन एवं निर्यात, ड्रीप एवं मिनी स्प्रींकलर सिंचाई संयंत्रों का उपयोग, मिनी ट्रैक्टर, लहसुन बुवाई मशीन, आलू पलांटर, पॉलिशेडनेट एवं पेट हाऊस, उद्यानिकी में नवाचार, प्लॉस्टिक लाईनिंग फार्म पोन्ड आदि कार्यों की समीक्षा की गई। इसी तरह बैठक में सहकारिता विभाग की समीक्षा में बैंकों की वित्तीय स्थिति, अल्पावधि फसल ऋणों की तुलनात्मक वसूली, पैक्स कम्प्यूटराईजेशन, गबन एवं धोखाधड़ी के प्रकरणों में वसूली की समीक्षा की गई। मत्स्य विभाग की समीक्षा में मत्स्योत्पादन बढ़ाने के लिए कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए।

शाजापुर में रात्रि के समय महिला का सहारा बनी डायल 100

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, रात के समय बस नही मिलने से परेशान महिला का डायल 100 सहारा बनी और गंतव्य तक पहुंचने में मदद की। प्राप्त जानकारी के अनुसार 32 वर्षीय नेहा मालवीय को बुधवार देररात मक्सी बस स्टैंड से रात्रि के समय देवास जाने के लिए बस नहीं मिल रही थी। इस पर महिला ने डायल 100 पर कॉल कर मदद मांगी। सूचना प्राप्ति पर तत्काल मक्सी थाना क्षेत्र में तैनात डायल 100 वाहन को मदद के लिए रवाना किया गया। डायल 112/100 स्टॉफ आरक्षक रोहित झलावा और पायलेट प्रभुल्ल शर्मा मौके पर पहुंचे और महिला को मक्सी बायपास से देवास जाने वाली बस में बैठाया गया। देर रात सहायता के लिए महिला ने डायल 112/100 सेवा का आभार व्यक्त किया।

किसानों को समय पर उर्वरक मिले, किसी प्रकार की समस्या या परेशानी न हो-कलेक्टर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, किसानों को समय पर उर्वरक मिले, उन्हें उर्वरक प्राप्त करने में किसी प्रकार की समस्या या परेशानी न हो। उक्त निर्देश कलेक्टर ऋजु बाफना ने गुरुवार को रासायनिक उर्वरकों की उपलब्धता एवं वितरण की समीक्षा के दौरान दिए। कलेक्टर ने उर्वरकों के भण्डारण एवं उपलब्धता की प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने के लिए जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित के सीईओ विशेष श्रीवास्तव को निर्देशित किया। साथ ही कहा कि वे समितियों का भी समय-समय पर निरीक्षण करें। उर्वरक वितरण में समितियों एवं निजी क्षेत्र से अधिक मूल्य पर उर्वरकों का विक्रय या भण्डार होने के बाद भी उर्वरक नहीं देने आदि जैसे गड़बड़ियां नहीं हों, शिकायत प्राप्त होने पर कार्रवाई की जाएगी। उर्वरकों के साथ किसानों को अनिवार्यतः अन्य सामग्री नहीं दें इसे स्वैच्छिक रखें। किसानों की यदि मर्जी हो तो ही उन्हें उर्वरकों के साथ अन्य सामग्री का विक्रय करें। प्रतिदिन के स्टॉक की जानकारी प्रतिष्ठान एवं समितियों के सूचना बोर्ड पर प्रदर्शित करें। सोसायटियों एवं निजी क्षेत्र के व्यवसायियों का वाट्सएप्प ग्रुप बनाकर उसमें कलेक्टर एवं एडीएम को जोड़ें। कलेक्टर ने कहा कि जिले में डीएपी उर्वरक मांग अनुरूप प्राप्त नहीं हो रहा है, इसके विकल्प के रूप में एनपीके प्राप्त हो रहा है। अधिक से अधिक किसानों को एनपीके उपयोगिता के बारे में बताएं। रेक से प्राप्त होने वाले उर्वरकों का वितरण 70.30 के अनुपात में क्रमशः समितियों एवं निजी क्षेत्र में करें। निजी क्षेत्र के स्टॉक की सतत् मॉनिटरिंग करना आवश्यक है। उपलब्ध स्टॉक की जानकारी का प्रतिदिन प्रचार-प्रसार भी कराएं।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जिला अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ । शाजापुर, राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस के तहत शाजापुर जिला अस्पताल में कार्यक्रम आयोजित किया गया। नोडल अधिकारी डॉक्टर अरुण पाटीदार ने बताया कि गुरुवार को राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लोगों को मानसिक रोग के लक्षण के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान मानसिक रोगियों का उपचार भी किया गया। उन्होने बताया कार्यक्रम के तहत मानसिक रोग के लक्षण के बारे में जागरूक करने के साथ ही मानसिक रोगियों का समय पर उपचार करने के लिए जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में विधायक अरूण भीमावद मौजूद थे।

हमारे देश में नारी कभी अबला नहीं थी बल्कि वह सशक्त थी-विधायक

बालिकाएं अपने हौसले से सपनों को उड़ान दें-कलेक्टर

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।

शाजापुर, जिला मुख्यालय स्थित गांधी हॉल में अंतर्राष्ट्रीय बालिका सप्ताह 2024 के अंतर्गत शक्ति अभिनंदन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुरुवार को आयोजित कार्यक्रम में विधायक अरूण भीमावद, कलेक्टर ऋजु बाफना, नगरपालिका उपाध्यक्ष संतोष जोशी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी नीलम चौहान, सायबर सेल उपनिरीक्षक अंकित मुकाती, सीडीपीओ शाजापुर नेहा चौहान, मो बड़ोदिया पंकज दवे एवं जूडो प्रशिक्षक राजीव लोचन शर्मा अतिथि के रूप में मौजूद थे। कार्यक्रम को विधायक भीमावद ने संबोधित करते हुए कहा कि हमारे देश में महिलाएं शुरू से ही सशक्त रही हैं। उन्होने वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई, अहिल्याबाई, रानी दुर्गावती आदि का उदाहरण देते हुए कहा कि महिलाएं कभी अबला नहीं थीं। उन्होने कहा कि महिलाओं को समान अवसर एवं बालिकाओं से भेदभाव को मिटाने के लिए महिला सशक्तिकरण अभियान चलाया जा रहा है। इस मौके पर उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके द्वारा महिला सशक्तिकरण के लिए अनेक कार्य किए गए हैं। साथ ही महिला एवं बालिकाओं से कहा कि वे अपने अधिकारों एवं कर्त्तव्यों के प्रति सजग रहें और जागरूक बनें। वहीं कलेक्टर बाफना ने कहा कि भारत में बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण पर जोर दिया जा रहा है, जिससे वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ रही हैं। सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों से बालिकाओं को अपने हौसले से सपनों को उड़ान देने का अवसर मिल रहा है। उन्होने बालिकाओं से कहा कि वे आगे बढने् का लक्ष्य निर्धारित करें और अपने क्षेत्र एवं माता-पिता का नाम रोशन करें। इसके पूर्व साईबर सेल के मुकाती ने साईबर अपराधों के बारे में जानकारी दी। महिला एवं बाल विकास अधिकारी चौहान ने कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया। कार्यक्रम के दौरान जूडो की बालिकाओं ने जूडो का प्रदर्शन किया। इस दौरान लाड़ली लक्ष्मी बालिकाओं, जूडो एवं अन्य बालिकाओं को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

यातायात सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के तहत निशुल्क हेलमेट किये वितरण

वीवो मोबाइल कंपनी द्वारा दो पहिया वाहन चालकों को किये हेलमेट वितरित

पुलिस अधीक्षक एवं महासंघ अध्यक्ष के मुख्य आतिथ्य में हुआ कार्यक्रम संपन्न

गुना । यातायात सुरक्षा एवं जागरूकता अभियान के अंतर्गत वीवो मोबाइल कंपनी के डीलर सिंहल ब्रदर्स द्वारा हेलमेट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया ।उक्त कार्यक्रम में मुख्य अतिथिद्वय पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा एवं महासंघ अध्यक्ष राजेश अग्रवाल उपस्थित रहे ।विशेष अतिथि अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर एवं यातायात प्रभारी अजय प्रताप सिंह कुशवाह रहे ।मानव जीवन को सुरक्षित रखने के लिहाज़ से कंपनी द्वारा 200 हेलमेट वितरित किए गए ।कार्यक्रम की शुरुआत में कंपनी के अधिकारियों एवं सिंहल ब्रदर्स के संचालक नयन सिंहल द्वारा मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया ।इस अवसर पर महासंघ अध्यक्ष राजेश अग्रवाल ने युवाओं से वाहन चलाते समय मोबाइल का उपयोग ना करने की बात कही एवं यातायात नियमों के पालन करने की बात कही ।अग्रवाल द्वारा शहर की अन्य संस्थाओं को भी इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम करने की सलाह दी गई ।पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सिन्हा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमें यह प्रयास करना है कि हमें हेलमेट पहन कर वाहन चलाना चाहिए जिससे हम सुरक्षित रहें एवं यातायात नियमों का पालन करना चाहिए ताकि हमारे वाहन से कोई अन्य व्यक्ति भी चौटिल ना हो ।साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि हमें मानवीयता के आधार पर दुर्घटना की दशा में पीड़ित को अनदेखा नहीं करना चाहिए उसे उचित उपचार मुहैया कराने का प्रयास करना चाहिए ।कार्यक्रम के अंत में कंपनी के पदाधिकारी द्वारा सभी अतिथियों एवं पत्रकार बंधुओं का आभार ज्ञापित किया गया ।

बच्चों को पुलिस थानों का भ्रमण कराया

नीमच। ज़िला नीमच में अभियान मैं हूं अभिमन्यु अभियान के अंतर्गत दिनांक 10-10-24 को जिले की थानों एवं चौकियों द्वारा स्थानीय स्कूल के बच्चों को थाने का भ्रमण एवं पुलिस की कार्यशैली के बारे में बताया गया ।

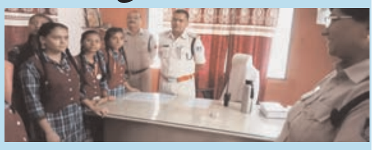

आशी माथुर बनी मिस गरबा एवं मिस्टर बने यश श्रीवास्तव

गुना जिले के एक निजी गार्डन में डिस्को डांडिया समिति द्वारा गरबा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बालक बालिका एवं महिलाओं ने चड़बड़ कर भागीदारी ली समिति के द्वारा एक काउंटिंग की गई जिसमें मिस गरबा का खिताब आशी माथुर को दिया गया और मिस्टर का खिताब यश श्रीवास्तव को दिया गया एवं मिस एंड मिस्टर को प्रथम पुरस्कार देकर सम्मान किया

मां दुर्गा का भव्य श्रृंगार, कर लगाए गए छप्पन भोग

बागली --नवरात्र के अवसर पर क्षेत्र के मंदिरों में मां के नौ रूपों में देवी मां की फूल-मालाओं से श्रृंगार पूजा व आरती करके भक्तों ने सुख-समृद्धि की कामना की। इसी क्रम में फॉरेस्ट कॉलोनी में स्थापित मां दुर्गा की सातवें दिन फूल-मालाओं से भव्य श्रृंगार किया गया। यजमान पंडित एवं वनखण्डेश्वर सार्वजनिक नव दुर्गा उत्सव समिति के द्वारा फॉरेस्ट कॉलोनी में स्थापित मां दुर्गा को छप्पन प्रकार के भोग लगाकर लोक कल्याण की कामना की।

मां के पंडाल में प्रशिक्षित बालिकाओं द्वारा गरबा उत्सव एवं प्रतियोगिता भी आयोजित की जाती, वहीं मां दुर्गा के परिसर में दशहरा पर्व पर विशाल भंडारा का आयोजन नव दुर्गा उत्सव समिति द्वारा किया जाएगा।

विभिन्न श्रेणियों के कृषकों को पुरस्कार किया जाएगा

अलीराजपुर। मध्यप्रदेश शासन निर्देशानुसार कृषि विस्तार सुधार कार्यक्रम (आत्मा) के अंतर्गत वर्ष 2023-24 में प्रदेश में कृषकों द्वारा उन्नत तकनीक अपनाकर कृषिगत क्षेत्रों में उत्पादन, उत्पादकता में वृद्धि एवं शासन की मंशानुसार किसानों की आय आगामी वर्षो में दोगुनी प्राप्त करने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के फलस्वरूप विभिन्न श्रेणियों के कृषकों को पुरस्कार दिये जाने है। इस कार्यक्रम में कृषिगत फसलों को उन्नत तरीके से करने वाले किसानों के अलावा कृषि से सबद्धं उद्ययानिकी विभाग, पशु पालन विभाग, मत्स्य विभाग, एवं कृषि अभियांत्रिक विभाग, से संबंधित प्रगतिशील उत्कृष्ट श्रेणी के कृषकों को विकास खंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार, जिला स्तरीय सर्ंवोत्तम कृषक, राज्य स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार एवं विकास खण्ड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक समुह पुरस्कार जैसे अलग-अलग स्तरों पर पुरस्कार स्वरूप प्रमाण-पत्र तथा प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी ।इस हेतु जिले में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी जैसे कृषिगत क्षेत्रों में उन्नत कृषिगत तकनीकि अपनाते हुए उपज एवं उत्पादकता में बेहतर परिणाम प्राप्त करने वाले कृषकों से प्रविष्टियाँ पुर्ण कर बन्द लिफाफे में दिनांक 10.10.2024 तक विकास खण्ड स्तर पर एवं 15.10.2024 तक जिला स्तर पर आमंत्रित की जा रही है। इन विभागों के मैदानी कार्यकर्ताओं से संपर्क कर प्रविष्टियाँ भरने हेतु निर्धारित प्रपत्र प्राप्त कर सकते हैं। जिले में कृषकों को दिये जाने वाले विकास खंड स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार, जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार एवं विकास खण्ड स्तरीय सर्वोत्तम समुह पुरस्कार हेतु जिला कलेक्टर एवं अध्यक्ष गर्विनिग बोर्ड की अध्यक्षता में गठित समिति अंतिम निर्णय लेगी। प्रविष्टियों के विभिन्न बिन्दूओं की जानकारी भरने में कृषि विभाग के साथ-साथ उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य पालन, कृषि अभियांत्रिकी विभाग के मेदानी कार्यकर्ताओं द्वारा कृषकों को मार्गदर्शन दिया जावेगा। चयनित सर्वोतम कृषकों में से जो सर्वोत्तम कृषक सर्वोच्च अंक प्राप्त करेगा उसे जिला स्तरीय पुरस्कार दिया जायेगा। जिला स्तरीय सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार प्राप्त कृषक नाम राज्य स्तर पर सर्वोत्तम कृषक का चयन करने हेतु अग्रेषित किया जायेगा । जिसका चयन राज्य स्तरीय समिति द्वारा किया जावेगा। उपरोक्तनुसार कृषक पुरस्कार /समुह पुरस्कार राष्ट्रीय पर्व 26 जनवरी 2025 को प्रदान किये जायेंगें। अधिक जानकारी के लिए नजदीकी संबंधित विभाग में सम्पर्क करें । उक्त जानकारी कार्यालय परियोजना संचालक आत्मा किसान कल्याण तथा कृषि विकास जिला अलीराजपुर द्वारा दी गई।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर जिला चिकित्सालय में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

देवास -- राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में जिला चिकित्सालय में मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। मानसिक स्वास्थ्य शिविर में 95 रोगियों एवं उनके परिजनों की स्क्रीनिंग, काउंसलिंग एवं परीक्षण करते हुए उचित उपचार प्रदान किया गया। शिविर में मानसिक रोगो के लक्षणों के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गई। मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम नोडल अधिकारी डॉ. धर्मेंद्र कुमार प्रजापति ने बताया कि जिला चिकित्सालय में मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से ग्रसित व्यक्तियों को नियमित जांच, उपचार एवं परामर्श प्रदान किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय में टेली मानस कार्यक्रम संबंधित परामर्श सेवाओं का लाभ लेने के लिए टेली मान-टोल फ्री मानसिक स्वास्थ्य हेल्प लाइन सेवा (14416 अथवा 1800-891-4416)के बारे जानकारी दी जा रही है। शिविर में सिविल सर्जन डॉ एस.के. खरे, शिशु रोग विशेषज्ञ आर.सी डॉ वर्मा, ईएनटी विशेषज्ञ डॉ कमल किशोर, मेडिकल ऑफिसर डॉ श्रीवास्तव एवं चिकित्सालय स्टॉ उपस्थित था।

देवास में बिना पंजीयन संचालित देवास सिटी मेड्स पैथालॉजी लैब को किया सील

देवास --10 अक्टूबर स्वास्थ्य विभाग के दल द्वारा देवास के मोती बंगला क्षेत्र में बिना पंजीयन संचालित देवास सिटी मेड्स पैथालॉजी लैब को सील करने की कार्यवाही की गई है। सीएमएचओ डॉ सरोजिनी जेम्स बेक ने बताया कि देवास सिटी मेडस पैथालॉजी लैब बिना पंजीयन के लैब का संचालन करने की शिकायत प्राप्त हुई थी, जिसपर टीम का गठन किया गया था। टीम द्वारा लैब का निरीक्षण किया और रिपोर्ट के आधार पर 03 अक्टूबर 2024 तत्काल पैथालॉजी लैब का संचालन बंद करने का सूचना पत्र जारी किया था। परन्तु लैब संचालक द्वारा लैब का संचालन निरंतर किये जाने की जानकारी पर टीम द्वारा लैब को सील किया गया। स्वास्थ्य विभाग के दल में डॉ. राजेन्द्र गुजराती, डॉ. अमरीन शेख, श्री कमलसिंह डावर, श्रीमती सुनिता सक्सेना, श्री सुशांत सिंह शामिल थे।

मरने वालों में महिलाएं और बचे भी शामिल

गाजा में स्कूल पर हुए इजराइली हमले में 27 लोगों की मौत

नेशनल डेस्क: फलस्तीनी चिकित्सा अधिकारियों ने बताया कि बृहस्पतिवार को गाजा में विस्थापित लोगों को आश्रय देने वाले एक स्कूल पर इजराइली हमले में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इज़राइली सेना ने बिना कोई सबूत दिए कहा कि उसने आम लोगों के बीच छुपे उग्रवादियों को निशाना बनाया।

इजराइल ने फलस्तीनी क्षेत्र में उग्रवादी ठिकानों पर हमले जारी रखे हैं, जबकि उसका ध्यान लेबनान में हिबुल्ला के खिलाफ युद्ध और ईरान के साथ बढ़ते तनाव पर केंद्रित है। उसने इस हफ्ते की शुरुआत में उत्तरी गाजा में हमास के विरुद्ध बड़े पैमाने पर हवाई और जमीनी अभियान शुरू किया था। अल-अक्सा शहीदी अस्पताल ने कहा कि दीर अल-बलाह में हुए हमले में एक बचे और सात महिलाओं समेत 27 लोगों की मौत हुई है। उसने कहा कि हमले में कई अन्य लोग घायल हुए हैं। 'एसोसिएटेड प्रेस के एक संवाददाता ने अस्पताल में एक के बाद एक कई एंबुलेंस को आते देखा और शवों की गिनती की। अस्पताल में कई शव क्षत-विक्षत अवस्था में लाए गए थे। एक व्यक्ति ने कहा हम दुनिया से अपील करते हैं। हम मर रहे हैं।

इज़राइली सेना ने कहा कि उसने स्कूल के अंदर एक उग्रवादी कमांड और नियंत्रण केंद्र को निशाना बनाकर हमला किया। इज़राइल ने गाजा में शरणस्थलों में तब्दील किए गए स्कूलों पर बार-बार हमला किया है और आरोप लगाया है कि उग्रवादी उनमें छुपे हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमले का लक्ष्य आश्रय गृह के अंदर हमास द्वारा संचालित पुलिस की अस्थायी चौकी थी।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हमला उस समय हुआ जब स्कूल प्रबंधक एक सहायता समूह के प्रतिनिधियों के साथ एक कमरे में बैठक कर रहे थे, जिसका इस्तेमाल आम तौर पर हमास द्वारा संचालित पुलिस करती है। उन्होंने बताया कि उस समय कमरे में कोई पुलिसकर्मी नहीं था।

वहीं अन्य घटना में, संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने कहा कि इजराइल के हमले में लेबनान में दो शांति सैनिक घायल हो गए हैं। अधिकारी ने नाम नहीं उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वह मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं है। अधिकारी ने बताया कि इज़राइली सेना ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी लेबनान में शांति सेना यूनिफिल के तीन स्थानों पर गोलीबारी की। पिछले साल सात अक्टूबर को हुए हमले के बाद युद्ध की शुरुआत होने के एक साल से भी अधिक समय बाद हमास ने इजराइली सेना पर हमले जारी रखे हैं तथा इजराइल में कभी कभार रॉकेट दागे हैं।

हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने इजराइल में घुसकर सेना के ठिकानों और कृषक समुदायों पर हमला किया। इस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे। इस हमले के दौरान लगभग 250 अन्य को अगवा कर लिया गया था। उन्होंने अब भी लगभग 100 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें से एक तिहाई के मृत होने की आशंका है।

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइल के आक्रमण में 42,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इनमें कितने लड़ाके थे, लेकिन उनका कहना है कि मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बचे हैं। युद्ध ने गाजा के बड़े क्षेत्र को बर्बाद कर दिया है और इसकी 23 लाख की आबादी में से लगभग 90 प्रतिशत लोग विस्थापित हो गए हैं।

वहीं अन्य घटना में, संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने कहा कि इजराइल के हमले में लेबनान में दो शांति सैनिक घायल हो गए हैं। अधिकारी ने नाम नहीं उजागर करने की शर्त पर यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि वह मीडिया से बात करने के लिए अधिकृत नहीं है। अधिकारी ने बताया कि इज़राइली सेना ने बृहस्पतिवार को दक्षिणी लेबनान में शांति सेना यूनिफिल के तीन स्थानों पर गोलीबारी की। पिछले साल सात अक्टूबर को हुए हमले के बाद युद्ध की शुरुआत होने के एक साल से भी अधिक समय बाद हमास ने इजराइली सेना पर हमले जारी रखे हैं तथा इजराइल में कभी कभार रॉकेट दागे हैं।

हमास के नेतृत्व वाले उग्रवादियों ने इजराइल में घुसकर सेना के ठिकानों और कृषक समुदायों पर हमला किया। इस हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए, जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे। इस हमले के दौरान लगभग 250 अन्य को अगवा कर लिया गया था। उन्होंने अब भी लगभग 100 लोगों को बंधक बना रखा है, जिनमें से एक तिहाई के मृत होने की आशंका है।

स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजराइल के आक्रमण में 42,000 से अधिक फलस्तीनी मारे गए हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इनमें कितने लड़ाके थे, लेकिन उनका कहना है कि मरने वालों में आधे से अधिक महिलाएं और बचे हैं। युद्ध ने गाजा के बड़े क्षेत्र को बर्बाद कर दिया है और इसकी 23 लाख की आबादी में से लगभग 90 प्रतिशत लोग विस्थापित हो गए हैं।

मध्य बेरूत में इजराइली हमलों में 22 लोगों की मौत, 117 अन्य घायल

इंटरनेशनल डेस्क । मध्य बेरूत पर गुरुवार शाम हुए इजरायली हवाई हमले में हिजबुल्लाह के आंतरिक सुरक्षा मुद्दों के लिए जिम्मेदार और वरिष्ठ सदस्य वफीक सफा को निशाना बनाया गया। यह जानकारी इजरायली सेना रेडियो ने दी। इससे पहले गुरुवार को प्रत्यक्षदर्शियों ने स्पुतनिक से कहा कि इजरायली वायु सेना ने मध्य बेरूत के रास अल नाबा क्षेत्र पर हमले किए।

लेबनानी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बाद में कहा कि हमलों में मरने वालों की संख्या 22 हो गई है, जबकि 117 अन्य घायल हुए। इजरायल 01 अक्टूबर से दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह लड़ाकों के खिलाफ जमीनी अभियान चला रहा है और साथ ही हवाई हमले भी कर रहा है।

नुकसान के बावजूद, हिजबुल्लाह जमीनी स्तर पर इजरायली सैनिकों से लड़ रहा है और सीमा पार रॉकेट दाग रहा है। इज़रायल का कहना है कि उसका मुख्य उद्देश्य उत्तर में गोलाबारी से पलायन कर चुके 60,000 निवासियों की वापसी के लिए परिस्थितिया बनाना है।

बेरूत में हालिया हमलों से पहले, लेबनान की क्राइसिस रिस्पॉन्स यूनिट ने बताया कि पिछले दिन इजरायली हमलों में 28 लोग मारे गए। इस तरह, पिछले अक्टूबर से चल रहे संघर्ष में लेबनान में कुल 2,169 लोगों की मौत हो चुकी है।

खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद, हिजबुल्लाह के हमलों में उत्तरी इजराइल में 28 नागरिक और 39 इजरायली सैनिक भी मारे गए हैं। इनमें पिछले साल अक्टूबर से उत्तरी इजराइल में हुए जमीनी हमलों के बाद से दक्षिणी लेबनान में मारे गए सैनिक भी शामिल हैं। इस संघर्ष के कारण 12 लाख लोग अपने घरों से बेघर हो गए हैं। जबकि इजरायल का ध्यान हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध और ईरान के बढ़ते तनाव पर है, वे गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी उग्रवादियों के ठिकानों पर हमले भी जारी रखे हुए हैं।

पाकिस्तान विश्व में सबसे अधिक मौत की सजा सुनाने वाले देशों में से एक

इस्लामाबाद: पाकिस्तान विश्व में सबसे अधिक मृत्युदंड देने वाले देशों में शामिल है । वैश्विक स्तर पर मौत की सजा का सामना कर रहे कैदियों में 26 प्रतिशत पाकिस्तान में हैं। एक गैर सरकारी संगठन द्वारा बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। कानूनी कार्रवाई समूह 'जस्टिस प्रोजेक्ट पाकिस्तान (जेपीपी) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा है कि 2024 में कुल 6,161 कैदी मौत की सजा का सामना कर रहे हैं, जबकि 2023 में यह संख्या 6,039 थी। यह संख्या पहले के रुझानों से अलग है, जब 2022 में मौत की सजा का सामना कर रहे लोगों की संख्या 3,226 थी। लाहौर के गैर सरकारी संगठन ने 22 वें विश्व मृत्युदंड विरोधी दिवस पर अपनी वार्षिक रिपोर्ट का तीसरा संस्करण जारी किया है, जिसका शीर्षक है 'पाकिस्तान में मृत्युदंड = मृत्युदंड का डेटा विश्लेषण। इस तरह के कैदियों की सबसे अधिक संख्या 2,505 पंजाब प्रांत में है, जिसके बाद 2,311 कैदी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में हैं। जेपीपी के आंकड़ों से यह भी पता चला है कि पाकिस्तान मृत्युदंड का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाले देशों में एक है। आंकड़ों में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर मौत की सजा का सामना कर रहे कैदियों में 26 प्रतिशत पाकिस्तान में हैं। जेपीपी की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान में मृत्युदंड पाने वालों का आंकड़ा पुरी दुनिया का 13 प्रतिशत है। गैर सरकारी संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 2004 से अब तक पाकिस्तान में कम से कम 4,500 लोगों को मौत की सजा सुनाई गई है, यानी औसतन प्रत्येक दिन एक व्यक्ति को अदालत ने यह सजा सुनाई। दुनिया भर में, अदालतों द्वारा मौत की सजा सुनाये जाने वाला हर सातवां व्यक्ति और विश्व भर में मृत्युदंड पाने वाला हर आठवां व्यक्ति पाकिस्तानी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान को ''विश्व स्तर पर मृत्युदंड का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वाले देशों में से एक बताया गया है, जो एक ''चिंताजनक आंकड़ा है तथा ''सुधार की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान ने दिसंबर 2019 के बाद से मृत्युदंड नहीं दिया है, लेकिन ''यह मृत्युदंड का सबसे अधिक इस्तेमाल करने वालों में से एक है, जहां 31 से अधिक अपराधों के लिए फांसी की सजा का प्रावधान है।

चीन में जन्मदर ठुस्स व बुजुर्गों की संख्या 30 करोड़ के पार

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी को देश में बुजुर्गों की तेजी से बढ़ती आबादी पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। चीन में बुजुर्गों की संख्या 30 करोड़ हो गई है, जिससे विवाह और जन्मदर में गिरावट के कारण जनसांख्यिकीय संकट बढ़ गया है। चीन की 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र की आबादी 2023 के अंत तक 30 करोड़ हो गई। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की बृहस्पतिवार की रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि यह 2035 तक 40 करोड़ से अधिक हो जाएगी और 2050 तक इसके 50 करोड़ पर पहुंच जाने की संभावना है। चीन में शुक्रवार को 'वरिष्ठ नागरिक दिवस मनाया जाता है। इस दिवस की पूर्व संध्या पर शी ने बुजुर्ग लोगों को शुभकामनाएं देते हुए सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की समितियों और सभी स्तरों की सरकारों से बुजुर्गों से संबंधित कार्यों को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। चीनी बुजुर्ग यादातर राय की सामाजिक सुरक्षा सहायता पर निर्भर हैं जो गिरती अर्थव्यवस्था के बीच राय की वित्तीय स्थिति पर विपरीत असर डाल रही है।

इजरायल ने हिजबुल्लाह के 2 और कमांडर किए ढेर

हथियार डिपो तबाह, ईरान पर हमले की तैयारी तेज

इंटरनेशनल डेस्क। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच जारी संघर्ष में इजरायल को एक बड़ी सफलता मिली है। इजरायली सेना की ओर से किए गए हालिया हमलों में हिजबुल्लाह के दो कमांडरों को मार गिराया गया है। इजरायली रक्षा बल ने पुष्टि की है कि मारे गए कमांडरों में अहमद मुस्तफा और मोहम्मद अली हमदान शामिल हैं। अली हमदान हिजबुल्लाह के एंटी-टैंक डिवीजन का प्रमुख बताया जा रहा है।इजरायली सेना ने हालिया हवाई हमलों में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के कई हथियार डिपो और लॉन्च पैड्स को भी तबाह कर दिया है। पिछले 24 घंटों के भीतर, इजरायली डिफेंस फोर्सेस ने हमास और हिजबुल्लाह के 230 से अधिक ठिकानों पर हमले किए हैं। इन हमलों में कई हथियार गोदामों और लॉन्च पैड्स को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है, जिससे हिजबुल्लाह को भारी नुकसान पहुंचा है। इजरायल की सेना ने घोषणा की है कि उसने सीरिया में हिजबुल्लाह के एक सदस्य को मार गिराया है, जो इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स में खुफिया जानकारी भेजने का काम कर रहा था। इस बीच, सीरियाई मीडिया ने गुरुवार को बताया कि इजरायली हवाई हमलों ने सीरिया के कई ठिकानों को निशाना बनाया। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब इजरायल ने ईरान से जुड़े लक्ष्यों पर हमलों की तीव्रता बढ़ा दी है। 7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर हमले के बाद, इजरायल ने अपने सैन्य अभियान को तेज किया है, जिससे गाजा में युद्ध छिड़ गया /है। इजरायल ने हमास के हमले के जवाब में लेबनान और सीरिया में हिजबुल्लाह के ठिकानों को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए हैं। इसके साथ ही इजरायल ने ईरान समर्थित आतंकवादियों की तलाश में सीरिया, यमन, और ईरान में भी हमले शुरू कर दिए हैं। इस बढ़ते सैन्य तनाव के कारण मध्य पूर्व में एक व्यापक संघर्ष की आशंका जताई जा रही है, जिसमें ईरान और अमेरिका के शामिल होने की संभावना भी है। बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच फोन पर 30 मिनट की बातचीत हुई, जिसमें इजरायल की ईरान के खिलाफ संभावित जवाबी कार्रवाई पर चर्चा की गई। व्हाइट हाउस ने बताया कि बाइडेन ने नेतन्याहू से लेबनान में नागरिकों को कम से कम नुकसान पहुंचाने का आग्रह किया है। इजरायल ने यह वादा किया है कि ईरान अपने मिसाइल हमले का मूल्य चुकाएगा, जबकि तेहरान ने चेतावनी दी है कि किसी भी जवाबी कार्रवाई से व्यापक विनाश होगा। इससे मध्य पूर्व में तेल उत्पादक क्षेत्र में युद्ध की चिंताएं और भी बढ़ गई हैं।पिछले हफ्ते बाइडेन ने इजरायल को ईरान के तेल क्षेत्रों पर हमले से हतोत्साहित किया था और यह भी स्पष्ट किया था कि वे ईरानी परमाणु स्थलों पर किसी हमले का समर्थन नहीं करेंगे।

तूफान मिल्टन ने फ्लोरिडा में मचाई तबाही, पांच लोगों की मौत

टैम्पा: तूफान 'मिल्टन अमेरिका के फ्लोरिडा में तबाही मचाने और तेज हवाओं एवं बारिश के साथ क्षेत्र के शहरों को तबाह करने के बाद, बृहस्पतिवार को अटलांटिक महासागर में प्रवेश कर गया। तूफान के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है। तूफान (हरीकेन) मिल्टन बुधवार रात टैम्पा से लगभग 112 किलोमीटर दक्षिण स्थित सिएस्टा तट पर श्रेणी-तीन के तूफान के रूप में टकराया था। तूफान के कारण फ्लोरिडा में 34 लाख से अधिक घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। हालांकि, तूफान के कारण बहुत नुकसान हुआ है लेकिन गवर्नर रॉन डेसेंटिस ने कहा कि यह सबसे बुरी स्थिति नहीं है। टैम्पा में जिस प्रलयकारी तूफान की आशंका थी, वैसा देखने को नहीं मिला, लेकिन इलाके में अब भी एक बड़ी आपात स्थिति है। गवर्नर के अनुसार, तूफान के कारण इलाके के कुछ हिस्सों में 18 इंच (45 सेंटीमीटर) बारिश दर्ज की गई। अधिकारियों ने कहा है कि खतरा अभी टला नहीं है और फ्लोरिडा के पूर्वी-मध्य तट के अधिकांश भाग और जॉर्जिया के उत्तर में तूफानी लहरों की चेतावनी जारी की गई है। दक्षिण कैरोलाइना के तट पर उष्णकटिबंधीय तूफान की चेतावनी जारी की गई है। फ्लोरिडा के अटलांटिक तट पर फोर्ट पियर्स के पास स्थित स्पेनिश लेक्स कंट्री क्लब को भारी नुकसान पहुंचा है, जहां कई मकान नष्ट हो गए और कुछ निवासियों की मौत हो गई। सेंट लूसी काउंटी शेरिफ कार्यालय ने बताया कि वहां आए तूफान में पांच लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने फ्लोरिडा के 15 इलाकों को खाली करने के आदेश जारी किए, जिनकी कुल आबादी लगभग 72 लाख है। लगभग 80,000 लोगों ने आश्रय स्थलों में रात बिताई तथा हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। वहीं, ऑरलैंडो में, वॉल्ट डिज़्नी वर्ल्ड, यूनिवर्सल ऑरलैंडो और सी वर्ल्ड बृहस्पतिवार को बंद रहे। इस बीच, पॉप गायिका टेलर स्विफ्ट ने तूफान हेलेन और मिल्टन के बाद राहत कार्यों में सहयोग के लिए गैर लाभकारी संस्था 'फीडिंग अमेरिका को 50 लाख अमेरिकी डॉलर का दान दिया है। गैर-लाभकारी संस्था ने बुधवार को पॉप स्टार के दान की घोषणा की। इसके सीईओ क्लेयर बेबिनॉक्स-फोंटेनोट ने एक बयान में कहा कि 'फीडिंग अमेरिका दान देने के लिए उनका आभारी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569